www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 विकसित भारत की ओर एक और बड़ा कदम, ब्रिटेन के साथ ट्रेड से अर्थव्यवस्था और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

मालदीव 150 साल में बौद्ध से इस्लामी देश बना 06

वर्ष :17 | अंक :115 | प्रयागराज ,शनिवार , 26 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बिजनौर में कुत्तों के हमले में बुजुर्ग महिला की मौत

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में बृहस्पतिवार को कुत्तों के हमले में खेत में काम कर रही एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश सोलंकी ने बताया कि अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के सलावतनगर गांव में मुन्नी देवी (62) अपने खेत में अकेली धान की रोपाई कर रही थी। तभी कुत्तों के एक झुंड ने उस पर हमला कर दिया। सोलंकी ने बताया कि कुत्तों ने मुन्नी देवी के शरीर को जगह-जगह से नोंच डाला। शोर सुनकर आए ग्रामीणों ने कुत्तों को भगाया लेकिन तब तक मुन्नी की मौत हो गई। उसके शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

कन्नूर केंद्रीय कारागार से फरार हुआ हत्या मामले का दोषी गोविंदाचामी पकड़ा गया

केरल में 2011 के सौम्या हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहा गोविंदाचामी उच्च सुरक्षा वाली कन्नूर केंद्रीय जेल से शुक्रवार को फरार हो गया था, हालांकि पुलिस ने कुछ घंटे की तलाश के बाद उसे पकड़ लिया। टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित वीडियो के अनुसार, दोषी गोविंदाचामी को कन्नूर शहर की सीमा के भीतर थलाप में स्थित एक खंडहर इमारत के पास से पकड़ा गया। गोविंदाचामी का बायां हाथ नहीं है। खबरों के अनुसार, वह इमारत के पास एक कुएं के अंदर छिपा हुआ था। शोरनूर के पास मंजक्कड़ की 23 वर्षीय सौम्या से एक फरवरी 2011 को एर्नाकुलम से शोरनूर जा रही एक यात्री ट्रेन में अकेले सफर करते समय गोविंदाचामी ने कथित तौर पर बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी थी। गोविंदाचामी को सौम्या की नृशंस हत्या का दोषी ठहराया गया था। इस मामले ने पूरे देश को झकझोर दिया था और इससे सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं की सुरक्षा पर व्यापक बहस छिड़ गई थी।

मोदी में दम नहीं है, मीडिया वालों ने सिर्फ गुब्बारा बना रखा है...

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर बड़ा हमला ,मैं दो-तीन बार मिला हूं, उन्हें लोगों ने सिर पर चढ़ा रखा है

टिप्पणी

राहुल गांधी ने कहा कि मैं अपने काम के बारे में सोचता हूं कि मैंने कहां ठीक काम किया और कहां कमी रह गई, तो मुझे 2-3 बातें दिखती हैं। जमीन अधिग्रहण बिल, मनरेगा, भोजन का अधिकार, ट्राइबल बिल, नियामगिरी की लड़ाई, ये सारे काम मैंने ठीक किए।

एजेंसी

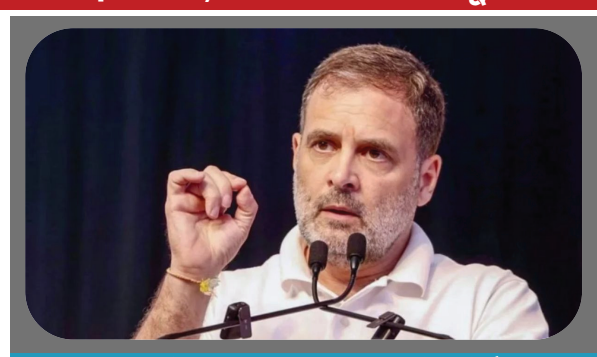

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कई बार मिल चुके हैं और उनमें कोई दम नहीं है। उन्होंने कांग्रेस ओबसी भागीदारी न्याय सम्मेलन में यह टिप्पणी की। राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान जब यह सवाल किया कि देश में सबसे बड़ी समस्या क्या हैं तो वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने प्रधानमंत्री का नाम लिया। इस पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, नरेन्द्र मोदी कोई बड़ी समस्या नहीं हैं। मीडिया वालों ने सिर्फ गुब्बारा बना रखा है। मैं उनसे मिल चुका हूं, उनके साथ कमरे में बैठा हूं। बस शो हैं, कोई दम नहीं है। अपनी बात को आगे दोहराते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, ये मेरा निजी अनुभव है की उनमें दम नहीं है। कांग्रेस सांसद ने भारत की नौकरशाही में वंचित और हाशिए पर पड़े समुदायों के कम प्रतिनिधित्व को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा, दलित, पिछड़े वर्ग, आदिवासी और अल्पसंख्यक मिलकर देश की लगभग 90% आबादी बनाते हैं। लेकिन बजट तैयार होने के बाद जब हलवा बांटा जा रहा था, तो इस 90% आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई नहीं था। यही 90% आबादी देश की उत्पादक शक्ति है। इसलिए हमें लोगों को समझाना चाहिए कि नरेन्द्र मोदी देश को गुमराह कर रहे हैं और झूठ बोलने वाले प्रधानमंत्री देश, समाज का भला नहीं कर सकते। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, मोदी जी खुद को ओबीसी बोलते हैं, पहले वो सामान्य वर्ग में थे, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद अपनी जाति को ओबीसी की सूची में डाल दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिर्फ झूठ बोलते हैं: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी ने अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) को आगे लाने के लिए योजना बनाई है तथा पार्टी शासित राज्यों में इस वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं शुरू की जाएंगी। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिर्फ झूठ बोलते हैं और ओबीसी और वंचित समुदायों के कल्याण के लिए कोई काम नहीं हो रहा। खरगे ने कांग्रेस के ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन में कहा, नरेन्द्र मोदी झूठों के सरदार हैं। झूठ बोलना ही उनका काम है।

राहुल के भाषण की बड़ी बातें...

- मोदी कहते हैं 'हिंदू इंडिया', जबकि 50% हिंदू तो ओबीसी हैं। अगर हिंदू इंडिया है तो मीडिया और कार्पोरेट कंपनी में ओबीसी क्यों नहीं हैं? बड़े-बड़े एंकरों की लिस्ट में ओबीसी वर्ग के लोग क्यों नहीं हैं? ये लोग एससीएसटी ओबीसी वर्ग की जमीनें छीनकर अडाणी को दे रहे हैं, इनके सिस्टम में कोई ओबीसी नहीं है।
- बीजेपी के नेता कहते हैं कि हम हिंदुस्तान से अंग्रेजी को मिटा देंगे। आप उनसे पूछिए- आपके बच्चे कहां पढ़ते हैं? आपके बच्चे विदेश में पढ़ते हैं, क्या वे वहां हिंदी मीडियम में पढ़ते हैं? हिंदी, तमिल, बंगाली, कन्नड़, सभी रीजनल भाषाएं जरूरी हैं, लेकिन इनके साथ में अंग्रेजी भी जरूरी है।
- मेरा सवाल है कि अगर आप खून-पसीने और मेहनत से देश को बनाते हैं, तो देश आपको क्या देता है? जवाब है- के जरिए ओबीसी, आदिवासियों, दलितों के अधिकारों की हत्या कर दी जाती है।

भारत ने मालदीव को 4850 करोड़ का कर्ज दिया

'हम आपके सबसे भरोसेमंद दोस्त' मुइज्जू ने चीन वाली गलती सुधारी तो भारत ने भर दी मालदीव की झोली

मोदी बोले- भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी

भारत-मालदीव संबंधों पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमारे लिए दोस्ती हमेशा पहले आती है। भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी है। भारत की पड़ोसी पहले नीति और महासागर विजन में मालदीव का अहम स्थान है।

एजेंसी

माले , पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर मालदीव पहुंचे। यहां उनका गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। खुद राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू उन्हें लेने एयरपोर्ट पर पहुंचे थे। इस दौरान राजधानी माले में लोगों ने 'मोदी जिंदाबाद' के नारे लगाए। इसके बाद मोदी और मुइज्जू ने द्विपक्षीय मीटिंग की। इस दौरान भारत ने मालदीव को 4,850 करोड़ रुपए की लाइन ऑफ क्रेडिट (कर्ज) दिया की और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बात की। दोनों देशों के डिप्लोमैटिक संबंधों के 60 साल पूरे पर स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। इसके साथ मालदीव में 6 कम्युनिटी डेवलपमेंट परियोजनाओं को शुरू किया गया। मोदी ने कहा कि भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद दोस्त होने पर गर्व है। चाहे संकट हो या महामारी, भारत हमेशा सबसे पहले उनके साथ खड़ा रहा है। चाहे आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता हो या कोविड के बाद अर्थव्यवस्था को संभालना हो, भारत ने हमेशा साथ मिलकर काम किया है।

संबंधों को सुधारने के लिए खास मोदी का दौरा

1. द्विपक्षीय संबंधों में सुधार: 2022 और 2023 में मालदीव में भारत के खिलाफ 'इंडिया आउट' कैंपेन चलाया गया था। हालांकि, बाद में राष्ट्रपति मुइज्जू ने अपने रुख में बदलाव किया और भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए।
2. रणनीतिक महत्व: मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का खास पड़ोसी है। यह दौरा भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' पॉलिसी और 'विजन सागर' को मजबूती देती है। जिसका मकसद क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा है।

सरकार की बड़ी कार्रवाई

आपत्तिजनक और अश्लील कंटेंट परोसने पर 25 ओटीटी एप्स पर लगाया बैन

स्टोरीबोर्ड18 द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने पाया कि ये प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक विज्ञापन और अश्लील सामग्री प्रदर्शित कर रहे थे - जो कई भारतीय कानूनों का उल्लंघन था। मंत्रालय ने एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर आईएसपी को भारतीय क्षेत्र में इन ऐप्स और वेबसाइटों तक पहुँच प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने कथित तौर पर इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को भारत भर में 25 ओटीटी ऐप्स और वेबसाइटों तक सार्वजनिक पहुँच को अवरुद्ध करने का निर्देश दिया है। ऑनलाइन अश्लील और पोर्नोग्राफिक सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, उल्लू, बिग शॉट्स ऐप, ऑल्ट बालाजी और देसीफ्लिक्स जैसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म को सामग्री उल्लंघन के कारण बंद कर दिया गया है।

25 ओटीटी पर आपत्तिजनक सामग्री के लिए कार्रवाई

स्टोरीबोर्ड18 द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने पाया कि ये प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक विज्ञापन और अश्लील सामग्री प्रदर्शित कर रहे थे

प्रतिबंधित ओटीटी ऐप्स की सूची

- उल्लूऑल्ट बालाजी
- बिग शॉट्स ऐप
- जलवा ऐप
- वाउ एंटरटेनमेंट
- लुक एंटरटेनमेंट
- हिटप्राइम
- फेनियो
- शोएक्स
- सोल टॉकीज
- कंगन ऐप
- बुल ऐप
- अड्डा टीवी
- हॉटएक्स वीआईपी
- डेसिफ्लिक्स
- बूमेक्स
- नवरसा लाइट
- गुलाब ऐप
- फुगी
- मोजफ्लिक्स
- हलचल ऐप
- मूडएक्स
- नियॉनएक्स वीआईपी
- ट्रिफ्लिक्स
- ऐप्स पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया?

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में परिसीमन नहीं होगा

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

एजेंसी

सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए परिसीमन प्रक्रिया शुरू करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। मामले की सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दोनों राज्यों के खिलाफ कथित भेदभाव की दलील को खारिज कर दिया और कहा कि राज्यों में परिसीमन से संबंधित प्रावधान केंद्र शासित प्रदेशों की तुलना में अलग हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लिए जारी परिसीमन अधिसूचना से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को बाहर रखना मनमाना या भेदभावपूर्ण नहीं था और इसलिए संवैधानिक है इसके अलावा, शीर्ष न्यायालय ने के पुरुषोत्तम रेड्डी द्वारा दायर याचिका को भी खारिज कर दिया, जिन्होंने केंद्र को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 26 को लागू करने का निर्देश देने की मांग की थी, जो दोनों राज्यों में विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन से संबंधित है।

राजस्थान के झालावाड़ में स्कूल बिल्डिंग गिरी, 7 बच्चों की मौत:9 की हालत गंभीर

5 टीचर सस्पेंड; शिक्षा मंत्री बोले- जिम्मेदार तो मैं ही हूं

राजस्थान के झालावाड़ में शुक्रवार सुबह एक प्राथमिक विद्यालय की इमारत की छत गिरने से छह छात्रों की मौत हो गई और 15 से ज्यादा घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब बच्चे कक्षा में थे। पिपलोदी प्राथमिक विद्यालय में मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया गया

एजेंसी

अकलेरा (झालावाड़), राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई है, वहीं 9 गंभीर घायल हैं। मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल की क्लास में शुक्रवार सुबह बच्चे बैठे थे, तभी कमरे की छत ढह गई और 35 बच्चे दब गए थे। ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाकर बच्चों को निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। मनोहरथाना हॉस्पिटल के अनुसार 5 बच्चों की मौत मौके पर ही हो गई थी, वहीं 2 ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। हादसे को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुख जताया है। उधर, मामले में शिक्षा विभाग ने स्कूल की हेड मास्टर समेत 5 टीचर को सस्पेंड कर दिया है। वहीं घटना की जिम्मेदारी के सवाल पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- जिम्मेदार तो मैं ही हूं।

प्रार्थना के लिए सभी बच्चों को इकट्ठा किया था

गांववालों ने बताया- वहां सुबह से बारिश हो रही थी। प्रार्थना का समय हुआ तो सभी क्लास के बच्चों को स्कूल के ग्राउंड में इकट्ठा करने की बजाय कमरे में बैठा दिया, ताकि वे भीगे नहीं। इसके कुछ देर बाद छत गिर गई।

शस्त्र के साथ शास्त्र का भी ज्ञान

ऑपरेशन सिंदूर पर सीडीएस चौहान का बड़ा बयान, सेना 24 घंटे तैयार है

सीडीएस चौहान ने कहा कि जैसा कि मैंने पहले कहा युद्ध में कोई दूसरा नहीं होता, और ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए, जो अभी भी जारी है; हमारी तैयारी का स्तर बहुत ऊंचा होना चाहिए। दिल्ली में एक रक्षा संगोष्ठी में बोलते हुए सीडीएस चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी उन्नत हो गई है और योद्धाओं को युद्ध के तीनों स्तरों अर्थात सामरिक, परिचालन और रणनीतिक में महारत हासिल करने की आवश्यकता है।

एजेंसी

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी संगठनों के खिलाफ भारत का सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर जारी है और सेनाएं दूसरी तरफ से किसी भी दुस्साहस के लिए चौबीसों घंटे तैयार हैं। सीडीएस चौहान ने कहा कि जैसा कि मैंने पहले कहा युद्ध में कोई दूसरा नहीं होता, और ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए, जो अभी भी जारी है; हमारी तैयारी का स्तर बहुत ऊंचा होना चाहिए। दिल्ली में एक रक्षा संगोष्ठी में बोलते हुए सीडीएस चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी उन्नत हो गई है और योद्धाओं को युद्ध के तीनों स्तरों अर्थात सामरिक, परिचालन और रणनीतिक में महारत हासिल करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हम प्रौद्योगिकी के निरंतर विकास से प्रेरित एक अभूतपूर्व गति देख रहे हैं।

जेलरवाला बाग-वजीरपुर में राहुल गांधी

बेघर हुए लोगों के बने हमदर्द, न्याय का दिलाया भरोसा

कांग्रेस नेता ने झुग्गियों का निरीक्षण किया और लोगों से बात की, जिन्होंने बेघर होने की अपनी समस्याएँ साझा कीं। गांधी ने उन्हें आश्वासन दिया कि कांग्रेस उनके साथ है और उनकी लड़ाई को अदालत तक ले जाएगी। उन्होंने लोगों को यह मुद्दा संसद में उठाने का भी आश्वासन दिया।

एजेंसी

संसद के चल रहे मानसून सत्र के बीच, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अशोक विहार स्थित जेलरवाला बाग और वजीरपुर झुग्गियों का दौरा किया, जहाँ पिछले महीने कई घर गिराए गए थे। कांग्रेस नेता ने झुग्गियों का निरीक्षण किया और लोगों से बात की, जिन्होंने बेघर होने की अपनी समस्याएँ साझा कीं। गांधी ने उन्हें आश्वासन दिया कि कांग्रेस उनके साथ है और उनकी लड़ाई को अदालत तक ले जाएगी। उन्होंने लोगों को यह मुद्दा संसद में उठाने का भी आश्वासन दिया।

भड़के बोले- आपातकाल के 50 साल बाद भी नहीं बदली मानसिकता

चुनाव आयोग पर कांग्रेस के आरोपों पर भड़के सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग पर बेतुके आरोप लगाने के लिए कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक संस्थाओं को चुनाव जीते या नहीं के आधार पर मान्यता देने की उनकी मानसिकता को दशार्ता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाने के फैसले का जिक्र करते हुए, जिसने संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को काफी सीमित कर दिया था, सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की मानसिकता नहीं बदली है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि चुनावों के मामले में, कांग्रेस, इंडिया गठबंधन और खासकर राहुल गांधी बेतुके आरोप लगा रहे हैं। यह उस मानसिकता को दशार्ता है कि आपातकाल के 50 साल बाद भी मानसिकता नहीं बदली है। अगर इंदिरा जी कहती थीं कि संवैधानिक संस्थाओं की मान्यता इस आधार पर तय होगी कि वे चुनाव जीती हैं या नहीं, तो आज राहुल गांधी कहते हैं कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता इस आधार पर तय होगी कि वे चुनाव जीते हैं या नहीं। त्रिवेदी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग पर कांग्रेस के आरोपों की कड़ी आलोचना की और कहा कि उनके अपने पूर्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और महाराष्ट्र के प्रभारी (2018-2024), आशीष दुआ, कुछ और ही लिखते हैं।

> राहुल गांधी की चुनाव आयोग को दी गई चेतावनी पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर बेबुनियाद आरोप लगाना दशार्ता है कि 50 साल पहले आपातकाल जैसी मानसिकता अब भी बरकरार है।

भाजपा नेता ने वार करते हुए कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र चुनावों पर क्या-क्या कहा था।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एक पूर्व सचिव, जो 2018 से 2024 तक महाराष्ट्र के प्रभारी रहे, ने महाराष्ट्र में हार का विश्लेषण करते हुए एक लेख में लिखा था कि वे किसी और को दोष नहीं दे सकते, वे कांग्रेस पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन की कमियों के कारण महाराष्ट्र हार गए। त्रिवेदी की यह टिप्पणी राहुल गांधी द्वारा गुरुवार को चुनाव आयोग को दी गई चेतावनी के बाद आई है

कि विपक्ष उन्हें बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान से नहीं बचने देगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने गुरुवार को लोकसभा स्थगित होने के तुरंत बाद संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा, मैं चुनाव आयोग को संदेश देना चाहता हूं: यदि आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, यदि आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे इससे बच निकलेंगे, तो आप गलत हैं।

तेजस्वी की जान को खतरा! राबड़ी देवी के आरोपों पर बोले डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, डरने की जरूरत नहीं

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर राजद नेता राबड़ी देवी के बयान पर विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिना तथ्यों के बोलना ठीक नहीं है। यह संवैधानिक व्यवस्था को ध्वस्त करने की कोशिश है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। तेजस्वी यादव पर कथित हमले को लेकर आरजेडी नेता राबड़ी देवी के बयान पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जिन्हें लगता है कि वे सुरक्षित नहीं हैं, उन्हें लिखकर देना चाहिए, जबकि उनके पास पूरी सुरक्षा है। उनके पास दो पूर्व मुख्यमंत्रियों जैसी सुविधाएं हैं और फिर भी वे डरे हुए हैं। पूरा बिहार उनके (आरजेडी) अपने लोगों से डरा हुआ है।

डरने की कोई जरूरत नहीं है, सरकार की तरफ से पूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। उनके (आरजेडी) लोग गुंडागर्दी की भाषा बोलते हैं जो उनके जंगलराज के स्कूल में पढ़ाई जाती है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर राजद नेता राबड़ी देवी के बयान पर विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिना तथ्यों के बोलना ठीक नहीं है। यह संवैधानिक व्यवस्था को ध्वस्त करने की कोशिश है।

उन्हें बिहार और यहाँ की जनता को बदनाम करना बंद करना चाहिए। बिहार में एसआईआर मुद्दे पर विपक्ष के विरोध पर उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही रोकना ठीक नहीं है। ऐसे लोग लोकतंत्र के हितैषी नहीं हैं, वे 'लाठीतंत्र' स्थापित करना चाहते हैं, लेकिन एनडीए ऐसा नहीं होने देगा।

सम्पादकीय

पड़ोसियों को पटरी पर लाता भारत, नेबरहुड फर्स्ट नीति की मजबूत अभिव्यक्ति है पीएम मोदी का मालदीव दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 और 26 जुलाई को मालदीव की यात्रा करेंगे जहाँ वे साठवें स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मानित अतिथि होंगे। राष्ट्रपति मुइज्जू के शासनकाल में यह पहली राजकीय यात्रा है। भारत ने मालदीव को 600 करोड़ रुपये की विकास सहायता प्रदान की है और आर्थिक संकट में मदद की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 और 26 जुलाई को मालदीव के महत्वपूर्ण दौरे पर होंगे। सामरिक मायनों में अहम माने जाने वाले इस द्वीपसमूह के साठवें स्वाधीनता दिवस में मोदी सम्मानित अतिथि ही नहीं, बल्कि वर्तमान राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के शासनकाल के दौरान वहां राजकीय यात्रा करने वाले पहले विदेशी नेता भी हैं। प्रतीकात्मक और ठोस मानदंडों के आधार पर देखें तो यह भारत की पड़ोसी प्रथम विदेश नीति में एक मील का पत्थर है, जिसे मोदी सरकार की परिपक्व कूटनीति का उदाहरण माना जा सकता है।यह संयोग नहीं है कि एक समय भारत विरोध का राग अलापने वाले मुइज्जू आज मोदी के स्वागत में लाल कालीन बिछा रहे है। यह बदलाव भारत जैसी बड़ी शक्ति द्वारा एक छोटे पड़ोसी देश के साथ धैर्यपूर्वक और कुशलतापूर्वक व्यवहार का परिणाम है। मुइज्जू के कार्यकाल की शुरूआत में उनके समर्थकों ने भारत पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और भारत को मालदीव में एक औपनिवेशिक शक्ति के रूप में पेश किया था, लेकिन भारत ने ऐसे बयानों को लेकर औपचारिक स्तर पर कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। अन्यथा द्विपक्षीय रिश्ते और बिगड़ जाते। मालदीव से प्रतिकूल संकेतों के बीच भी भारत ने इस पड़ोसी देश की विकास सहायता राशि 470 करोड़ से बढ़ाकर 600 करोड़ रुपये कर दी। इसके अलावा दो प्रकार की मुद्रा विनिमय व्यवस्थाएं भी बनाईं, जिनके तहत 40 करोड़ डालर के साथ-साथ 3,000 करोड़ रुपये भी मालदीव को उपलब्ध कराए गए। इन प्रविधानों से उसे अपनी डगमगाती आर्थिक स्थिति को सुधारने और ऋण के बोझ को घटाने में सहायता मिली। बदहाली के शिकार मालदीव को संकट के समय उबारने वाला एकमात्र देश भारत था। जबकि मुइज्जू जिस चीन के मुरीद रहे थे, उसने उन्हें कोई रियायत नहीं दी। यह भी एक तथ्य है कि मालदीव की मुश्किलें चीनी कर्ज के जाल में फंसने से ही बढ़ी थीं।भारत ने मालदीव की दयनीय दशा को बखूबी भांपते हुए अपनी उदारता से सिद्ध किया कि भारत बड़े दिल वाला पडोसी है, जो न केवल प्राकृतिक आपदा में काम आता है, अपितु राष्ट्रीय संकटों से भी निजात दिलाने की मंशा और क्षमता रखता है।ऐसी ही परिस्थितियों से भारत ने 2022 में श्रीलंका को उबारा था। चीनी कर्ज बोझ से कराह रहे श्रीलंका को तब लगभग चार अरब डालर की आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराई थी।

आज का विचार

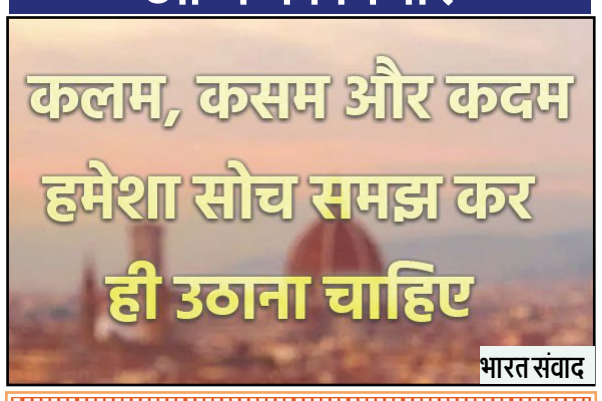

राशिफल

मेष राशि : करियरः माता-पिता के आशीर्वाद से आज काम में अच्छे परिणाम मिलेंगे। आपके व्यवहार और काम का सकारात्मक असर दूसरों पर पड़ेगा. बिजनेसः अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो बिजनेस से जुड़े अनुभवी लोगों से सलाह जरूर लें.धनः पैसों से जुड़ा कोई पुराना लेन-देन आज फायदेमंद साबित हो सकता है.शिक्षाः छात्रों के लिए पढ़ाई में सफलता मिलने का योग है। आलस्य से बचें और समय का सदुपयोग करें.

वृषभ राशि : करियरः आज दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, धैर्य बनाकर रखें बिजनेसः व्यवसायिक गतिविधियां थोड़ी धीमी रहेंगी, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए संयम ही उचित रहेगाः घर की सुख-सुविधाओं से जुड़ा कोई सामान खरीदने का योग बन रहा है। खर्च सोच-समझकर करें

मिथुन राशि : करियरः नई नौकरी के योग बन रहे हैं. किसी उलझन का समाधान होगा जिससे मन हल्का रहेगा. बिजनेसः आर्थिक गतिविधियों पर ध्यान दें. खर्चों को सीमित रखें और अनावश्यक मामलों में हस्तक्षेप से बचें.धनः किसी दोस्त की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है.

कर्क राशिः करियरः दिनचर्या व्यवस्थित रखने से कार्य समय पर पूरे होंगे. काम पर ध्यान देना भविष्य में फायदेमंद रहेगा. बिजनेसः बिजनेसमैन किसी कंपनी के साथ साझेदारी कर सकते हैं. नई योजनाओं पर काम शुरू होगा.

सिंह राशिःकरियरः वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा. ऑफिस में प्रेजेंटेशन या नई जिम्मेदारी मिल सकती है. बिजनेसः नया कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है. राजनीतिक संबंध भी लाभ देंगे.धनः रुके हुए पैसे वापस मिल सकते हैं.

कन्या राशिः करियरः ऑफिस में काम का दबाव रहेगा. सहयोगियों से तालमेल बनाए रखें. सफलता से माता-पिता प्रसन्न होंगे. धनः फिजूलखर्ची से बचें. अपनी जरूरतों को प्राथमिकता दें. शिक्षाः प्रोजेक्ट पूरा करने में भाई-बहन या टीचर की मदद लें.लव/पारिवारिकः संदेह से बचें. परिवार में सामंजस्य बनाए रखना जरूरी है.

तुला राशिः करियरः दिन तरक्की देने वाला रहेगा. कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी.बिजनेसः अटका पैसा वापस मिलने की संभावना है. धनः सुख-सुविधा की वस्तुओं की खरीदारी में खर्च होगा. शिक्षाः बच्चों को आपकी सलाह से लाभ मिलेगा.

वृश्चिक राशि : करियरः काम समय पर पूरे होंगे. समाज में आपकी छवि सुधरेगी. बिजनेसः आज व्यवसाय में लाभ की स्थिति बन सकती है.धनः परिवार पर धन खर्च होगा. शिक्षाः शिक्षकों का दिन व्यस्त रहेगा.

धनु राशिः करियरः जीवनसाथी के साथ बाहर जाने का मौका मिलेगा. किसी अनुभवी व्यक्ति का मार्गदर्शन लाभ देगा. बिजनेसः कोई नई योजना शुरू हो सकती है.धनः रुकी हुई आर्थिक समस्या सुलझ सकती है. शिक्षाः विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा.

मकर राशिः करियरः परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी. सकारात्मक सोच से काम सफल होंगे. बिजनेसः प्रॉपर्टी डीलिंग से लाभ मिल सकता है.धनः धन के मामलों में सजग रहें.शिक्षाः विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ाई करेंगे. लव/पारिवारिकः परिवार का सहयोग मिलेगा. महिलाएं घर के कामों में व्यस्त रहेंगी.

कुंभ राशि : करियरः अतिरिक्त जिम्मेदारियां पूरी होंगी. समाज में पहचान बढ़ेगी. बिजनेसः फैशन डिजाइनिंग से लाभ हो सकता हैधनः आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी.

मीन राशिः करियरः कार्यक्षेत्र में तालमेल अच्छा रहेगा. मार्केटिंग में सफलता मिलेगी.बिजनेसः बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ की सलाह लें.धनः धन से जुड़ा मामला सुलझ सकता है.शिक्षाः छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा.लव/पारिवारिकः लवमेट के लिए दिन शानदार रहेगा. जीवनसाथी से भावनात्मक सहयोग मिलेगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विकसित भारत की ओर एक और बड़ा कदम, ब्रिटेन के साथ ट्रेड से अर्थव्यवस्था और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

पीयूष गोयल के अनुसार भारत और ब्रिटेन के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता हुआ है जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और भारतीय व्यवसायों को वैश्विक पहचान मिलेगी। यह समझौता मोदी सरकार की 2047 तक भारत को विकसित बनाने की रणनीति का हिस्सा है। समझौते से कृषि निर्यात में वृद्धि होगी किसानों को लाभ होगा और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में नए अवसर उत्पन्न होंगे।

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए पर सहमति बन गई है। भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) के अस्तित्व में आने से रोजगार के असंख्य अवसर सृजित होंगे। भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को नई वैश्विक पहचान मिलेगी। उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं की किफायती दरों पर पहुंच भी सुनिश्चित होगी। सीईटीए की संकल्पना आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और कुछ अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों के अनुरूप ही है। यह मोदी सरकार की भारत को 2047 तक विकसित बनाने की संकल्पना से जुड़ी रणनीति का एक हिस्सा है। मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को फिर से स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई है। विकसित देशों के साथ एफटीए इस रणनीति के केंद्र में है। ऐसे समझौते व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं को दूर करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाते हैं। पिछली यूपीए सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने वाला रवैया अपनाया था। यूपीए सरकार में विकसित देश भारत के साथ व्यापार समझौते के अनिच्छुक थे, क्योंकि तब देश की गिनती दुनिया की पांच नाजुक अर्थव्यवस्थाओं में होने लगी थी। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आर्थिकी की काया ही पलट गई। भारत का सकल घरेलू उत्पाद 2014 से लगभग तिगुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, कारोबारी सुगमता और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक आर्थिक गंतव्य के रूप में उभारने में मदद की है, जहां विपुल संभावनाएं हैं। आज दुनिया भारत की अद्भुत विकासगाथा का हिस्सा बनना चाहती है। प्रमुख देशों द्वारा एक के बाद एक एफटीए इसी मान्यता की पुष्टि करते हैं ब्रिटेन के साथ यह व्यापार समझौता बाजार पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाएगा। यह करीब 99 प्रतिशत टैरिफ समाप्त करता है, जो लगभग शत प्रतिशत व्यापार मूल्य को कवर करता है। यह 56 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के लिए अपार अवसर बनाएगा, जिसके 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है। इससे छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। खेल उपकरण बनाने वाली कंपनियों के कारोबार में भारी विस्तार होगा। विश्व के एक आकर्षक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त चमड़ा और जूते, वस्त्र, समुद्री उत्पाद और रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए मददगार साबित होगी। इन क्षेत्रों में, जहां कई छोटे व्यवसाय संचालित होते हैं, निवेश और रोजगार सृजन के अवसर पैदा होंगे। भारत के चमड़ा और जूता निर्यात में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत वस्त्र, चमड़ा और जूते के क्षेत्र में ब्रिटेन के शीर्ष तीन आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनने की बेहतर स्थिति में है।इस समझौते के बाद 95 प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तेज वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का अनुमान है, जो 2030 तक भारत के 100 अरब डालर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा। इससे भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाजार के द्वार खुलेंगे, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले फायदे के बराबर या उससे भी अधिक होगा। हल्दी, काली मिर्च, इलायची, प्रसंस्कृत उत्पादों, अचार और दालों को भी शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। निर्यात बढ़ने से कृषि आय में वृद्धि होगी तथा गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन के लिए अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इससे कृषि मूल्य शृंखला में रोजगार के असंख्य अवसर सृजित होंगे। घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए एफटीए में भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। भारत ने डेरी उत्पादों, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। यह मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषक समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को दर्शाता है। समझौते से भारतीय मछुआरों, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु के मछुआरों की ब्रिटिश बाजार में पहुंच सुगम होगी। यह समझौता सूचना प्रौद्योगिकी एवं संबंधित सेवाओं, वित्तीय सेवा और शिक्षा सहित अन्य सेवाओं में भारतीयों के लिए नए अवसर बनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक जाते हैं। आस्ट्रेलियाई एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान का मुद्दा सुलझाया, जो आईटी कंपनियों की परेशानी बढ़ा रहा था। ब्रिटेन के साथ समझौते का एक अहम बिंदु दोहरे अंशदान से जुड़ा है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं, अस्थायी भारतीय कर्मियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। व्यापार समझौते प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में मदद मिलती है। मोदी सरकार ने गुणवत्ता को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान किया है। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं और मुक्त व्यापार समझौतों पर बात आगे बढ़ाई है सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ गहन परामर्श किया है। यह जानकर खुशी होती है कि उद्योग जगत ने इन व्यापार समझौतों का व्यापक रूप से समर्थन एवं स्वागत किया है। इसी कड़ी में ब्रिटेन के साथ यह समझौता बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है।यह हमारे मूल हितों से समझौता किए बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। यह इस बात का एक प्रखर उदाहरण भी है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है।

भूखमरी है विकास के विरोधाभासी स्वरूप की भयावह तस्वीर

ललित गर्ग

विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की हालिया रिपोर्ट ने एक बार फिर वैश्विक समुदाय को चेताया है कि धरती पर करोड़ों लोग आज भी भूख, कुपोषण और खाद्य असुरक्षा के शिकंजे में जकड़े हुए हैं। यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि एक वैश्विक त्रासदी की दास्तान है, जो यह सोचने पर मजबूर करती है कि इक्कीसवीं सदी के इस तथाकथित ह्यविकसितह्ण दौर में भी हम उस प्राथमिक आवश्यकता-भोजन को सुनिश्चित नहीं कर सके हैं, जो किसी भी आदर्श शासन-व्यवस्था एवं सभ्यता की बुनियादी कसौटी है। एफएओ के अनुसार, दुनिया भर में 70 करोड़ से अधिक लोग गंभीर भूख का शिकार हैं, जबकि करीब 2 अरब लोग मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं। अफ्रीका, दक्षिण एशिया, लैटिन अमेरिका और युद्धग्रस्त क्षेत्रों में हालात और भी बदतर हैं। बच्चों में कुपोषण और स्टंटिंग (विकास अवरोध) की दरें चिंताजनक हैं।

समूची दुनिया में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी के विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई जैसी तकनीक की नई-नई मिसाल कायम की जा रही हैं। किसी अन्य ग्रह पर जीवन की खोज करने या फिर भविष्य में चांद पर बस्ती बसाने के दावे भी किए जा रहे हैं। मगर, क्या वास्तव में विकास का पैमाना यही है? विकास की इस धारा में इंसान एवं इंसान की मूलभूत जरूरतें कहां है? यह कैसा विकास है कि जिसमें विसंगतियां एवं विरोधाभास ही अधिक है। एक तरफ विभिन्न देश तकनीक के सहारे खुद के ताकतवर एवं साधन संपन्न होने का दावा कर रहे हैं, तो दूसरी ओर दुनिया में करोड़ों लोग भुखमरी, बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। बढ़ती भूखमरी एवं कुपोषण आधुनिक विकास पर एक बदनुमा दाग है। इस वैश्विक संकट की जड़ में केवल खाद्यान्न की कमी नहीं, बल्कि युद्ध, आंतरिक संघर्ष, आतंकवाद और राजनीतिक अस्थिरता जैसी स्थितियां गहराई से जिम्मेदार हैं।

यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते गेहूं, तेल, उर्वरक और अन्य खाद्य सामग्री की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है। अफगानिस्तान, सीरिया, सूडान, यमन और सोमालिया जैसे देशों में वर्षों से चल रहे युद्धों ने लाखों लोगों को बेघर, बेरोजगार और भूखा बना दिया है। अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में आंतरिक संघर्ष और जलवायु आपदाएं खाद्य संकट को और विकराल बना रही हैं। भुखमरी के वैसे तो कई कारण हो सकते हैं, लेकिन दो देशों के बीच युद्ध और आंतरिक संघर्ष प्रमुख है। इन दो कारणों से ही बीस देशों में करीब 14 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। जाहिर है, लगातार जारी युद्धों, अंतरराष्ट्रीय संघर्षों एवं आतंकवाद की वजह से हालात और ज्यादा बदतर हो रहे हैं। युद्ध प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को राहत के तौर पर खाद्य सामग्री पहुंचाने में भी तरह-तरह की अड़चनों की खबरें भी आती रहती हैं। इस तरह के प्रयास वास्तव में मानवीय संवेदनाओं के दम तोड़ देने द्योतक हैं।जलवायु परिवर्तन, बाढ़, सूखा, चक्रवात और असामयिक वर्षा जैसे कारक कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहे हैं। भारत, नेपाल, पाकिस्तान, जैसे देशों के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में मानसून के दौरान होने वाली आपदाएं किसानों की मेहनत को तबाह कर देती हैं। इससे खाद्यान्न उत्पादन घटता है, महंगाई बढ़ती है और आम आदमी की थाली सूखने लगती है। संसाधनों के अभाव और संकटग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की डगर जटिल से जटिलतर हो गई है। रपट में सामने आया है कि 2024 में लगातार छठे वर्ष दुनिया में गंभीर खाद्य संकट और बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वर्ष 53 देशों या क्षेत्रों के 29.5 करोड़ लोग गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा वर्ष 2023 के मुकाबले 1.37 करोड़ अधिक है। यानी सुधार के बजाय स्थिति पहले से कहीं अधिक खराब हो गई है।आधुनिक विकास के प्रारूप पर चिन्तन करना होगा। यह विचारणीय प्रश्न है कि विकास के इस प्रारूप में बड़े-बड़े मॉल बन रहे हैं, शहरों में चमचमाती इमारतें खड़ी हो रही हैं, तकनीक और एआई की बात हो रही है, लेकिन दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों में लोग दो वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। भुखमरी बढ़ रही है, कुपोषण आम होता जा रहा है, बेरोजगारी चरम पर है, महंगाई ने गरीब की थाली से दाल-सब्जी गायब कर दी है। विकास का यह विरोधाभासी चेहरा दिखाता है कि संसाधनों का वितरण असमान है और नीतियां गरीबों की भूख मिटाने की बजाय अमीरों की संपत्ति बढ़ाने में लगी हैं। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजीएस) में 2030 तक ह्यभूखमुक्त विश्वह्ण का सपना देखा गया था, लेकिन वर्तमान हालात यह संकेत दे रहे हैं कि हम इस लक्ष्य से दूर होते जा रहे हैं। गरीब देशों को खाद्य सहायता की आवश्यकता है, लेकिन विकसित राष्ट्र अपने राजनीतिक एवं आर्थिक स्वार्थों में उलझे हुए हैं। कृषि को प्राथमिकता देने के बजाय, हम स्मार्ट सिटी, हाईवे और बुलेट ट्रेन जैसे प्रोजेक्ट में संसाधन झोंक रहे हैं।महंगाई और बेरोजगारी से उपजी विकट आर्थिक स्थितियां भी भुखमरी के लिए जिम्मेदार हैं। रपट में कहा गया है कि इन दोनों कारणों से पंद्रह देशों में 5.94 करोड़ लोगों का जीवन संकट में है। इसके अलावा, सूखा और बाढ़ ने 18 देशों में 9.6 करोड़ लोगों को खाद्य संकट में धकेल दिया है। अधिक चिन्ताजनक यह है कि इन लोगों को खाद्य एवं पोषण सहायता के लिए मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मदद में भी भारी गिरावट आई है। ऐसा लगता है कि वैश्विक मदद और राजनीतिक इच्छाशक्ति की सांसें धीरे-धीरे उखड़ रही हैं। ऐसे में जबरन विस्थापन भुखमरी के संकट को और बढ़ा रहा है। इस जटिल से जटिलतर होती समस्या के समाधान के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। इन प्रयत्नों में सबसे जरूरी है कि स्थायी कृषि नीति बनानी होगी जिसमें जल संरक्षण, जैविक खेती और छोटे किसानों की सुरक्षा पर बल दिया जाए। युद्ध और संघर्षों का समाधान कूटनीति और संवाद से निकाला जाए, क्योंकि सबसे बड़ी कीमत आम जनता चुकाती है। भोजन के अधिकार को मौलिक अधिकार की तरह लागू किया जाए, और सभी देश एक वैश्विक खाद्य भंडारण व वितरण प्रणाली विकसित करें। गरीबी उन्मूलन पर ठोस योजनाएं बने, ताकि लोग आत्मनिर्भर बनें और भीख या राहत पर निर्भर न रहें। महंगाई पर नियंत्रण, और गरीबों को सब्सिडी आधारित खाद्यान्न व्यवस्था को और मजबूत करना होगा। एफएओ की रिपोर्ट में एक और भयावह तस्वीर सामने आती है कि दुनिया भर में उनतीस करोड़ से अधिक लोग ऐसे हालात में जी रहे हैं, जहां उनके लिए एक वक्त का भोजन जुटा पाना भी मुश्किल है। साफ है कि समाज का सबसे कमजोर तबका आज भी संघर्ष, महंगाई, प्राकृतिक आपदा और जबरन विस्थापन जैसी समस्याओं के चक्रव्यूह में कैद है।

कर्नाटक का रोहित वेमुला विधेयक 2025 हिन्दुओं को बाँटने की साजिश तो नहीं!

रामस्वरूप रावतसरे

कर्नाटक में सिद्दारमैया सरकार आगामी मानसून सत्र में रोहित वेमुला विधेयक 2025 को पेश करने की पूरी तैयारी कर चुकी है। राहुल गाँधी के हुक्म के बाद कर्नाटक सरकार ने छात्रों के बीच एससी,एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय को अन्याय से बचाने का बीड़ा उठाया है। रोहित वेमुला विधेयक का उद्देश्य कथित तौर पर उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के साथ होने वाले जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न को रोकना बताया जा रहा है।इस विधेयक का नाम हैदराबाद विश्वविद्यालय के पीएचडी छात्र रोहित वेमुला के नाम पर रखा गया है। 17 जनवरी 2016 को रोहित ने आत्महत्या कर ली थी। उसकी आत्महत्या के बाद पूरे देश में जातिगत भेदभाव को लेकर काफी आक्रोश सामने देखने को मिला था हालाँकि बाद में यह बात जरूर साफ हुई कि रोहित वेमुला असल में दलित समुदाय से था ही नहीं।कर्नाटक सरकार ने इस विधेयक को राज्य के सभी सरकारी, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों में लागू करने की बात कही है। इसके तहत सामान्य कैटेगरी के छात्रों को छोड़कर बाकी सभी के लिए, यानी एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय को अन्याय से बचाने की बात कह कानून बनाए गए हैं। बिल में किसी भी तरह के भेदभाव को गैर-जमानती और संगीन अपराध माना गया है। इसमें पहली बार दोषी पाए जाने पर 1 साल की जेल और 10,000 जुमार्ना और दोबारा अपराध पर 3 साल की जेल और 1 लाख जुमार्ना का प्रावधान है। साथ ही, दोषी संस्थानों को राज्य सरकार से वित्तीय सहायता नहीं मिलेगी और पीड़ित को सीधे मुआवजा देने की व्यवस्था भी की गई है। बिल के तहत कोई भी पीड़ित या फिर उसके परिवार का व्यक्ति सीधे पुलिस में शिकायत दर्ज कर सकता है और बिना किसी सबूत के आरोप लगाया जा सकता है। दोषी पाए जाने पर आरोपित को 1 लाख रुपए तक का मुआवजा देना पड़ेगा।जानकारों की माने तो इस कानून से एक तरह से सामान्य श्रेणी के छात्रों को रंजिश में एससी,एसटी, ओबीसी या अल्पसंख्यक समुदाय का कोई भी व्यक्ति बड़े आराम से जेल भिजवा सकता है। जब तक व्यक्ति निर्दोष साबित नहीं हो जाता तब तक वो दोषी ही माना जाएगा। इससे भी बड़ी विडंबना ये है कि आरोपित के साथ-साथ उस व्यक्ति को भी इस एक्ट के तहत जेल हो सकती है जिसने आरोपित की मदद की हो, उकसाया हो या फिर वो भी जिसने रोकने की कोशिश नहीं की।सोशल मीडिया पर जानकार इसे एक संस्थागत उत्पीड़न बताया है। उनका कहना है कि इसे सामाजिक न्याय की चाशनी में लपेटकर परोसा जा रहा है। कई विश्लेषक ये भी कह रहे हैं कि जब इसी तरह का एससी,एसटी एक्ट इस वर्ग को संरक्षण देने के लिए पहले से ही मौजूद है तो फिर इस तरह का एक्ट थोप कर संस्थानों के माहौल में द्वेष भरने की क्या आवश्यकता है? कर्नाटक सरकार ने रोहित वेमुला के नाम पर दलित विधेयक बना दिया जबकि रोहित असल में दलित था ही नहीं। अब इस पर लोग सवाल भी उठा रहे हैं। 2017 में आंध्र प्रदेश सरकार ने रोहित का अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र रद्द कर दिया था और कहा था कि वह ओबीसी वर्ग से हैं. ऐसे में शेड्यूल कास्ट का प्रमाण पत्र धोखाधड़ी से बनवाया गया। इसके लिए तेलंगाना पुलिस ने भी 3 मई 2024 को हाई कोर्ट में एक क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। इसमें बताया गया था कि रोहित वेमुला एससी श्रेणी से नहीं था और उसने आत्महत्या इसलिए की क्योंकि उसे अपनी जाति की सच्चाई के उजागर होने का डर था। क्लोजर रिपोर्ट में यह बात भी सामने आई थी कि उनकी मृत्यु के लिए कोई भी व्यक्ति या संस्थान जिम्मेदार नहीं था।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बिजली, खाद व सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर किसानों की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए

लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की चेतावनी

- नहरों में जल प्रवाह सुनिश्चित करने, बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने और खाद आपूर्ति तत्काल करने के आदेश
- सिंचाई बंधु की बैठकें नियमित कराने और सहकारी समिति भवन निर्माण के प्रस्ताव भेजने के निर्देश

भारत संवाद

रायबरेली/लखनऊः प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली जनपद में बिजली, खाद व सिंचाई विभाग से जुड़े अधिकारियों के साथ गहन समीक्षा बैठक कर किसानों से जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए।मंत्री श्री सिंह ने कहा कि नहरों में जल प्रवाह सुनिश्चित किया जाए, विशेष रूप से खजूरगांव, सरेनी, पुरवा और लालगंज जैसी डार्क जोन की नहरों को हर स्थिति में चालू रखा जाए ताकि भूजल स्तर में सुधार हो सके। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया गया कि वे स्वयं फील्ड का निरीक्षण कर वीडियो क्लिप प्रस्तुत करें।बिजली व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने अधिशासी अभियंता, अधीक्षण अभियंता और मुख्य अभियंता को फील्ड व सबस्टेशन का दौरा कर जनता की समस्याओं को सुनने और तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।खाद आपूर्ति को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए मंत्री जी ने कहा कि हसनापुर, सरेनी व हरचंदपुर जैसे स्थानों पर जहां भंडारण की सुविधा नहीं है, वहां वैकल्पिक स्थल चयनित किए जाएं

सफाईकर्मियों की पिटाई से भड़के नगरकर्मी

फूलपुर में झाड़ू लेकर कोतवाली पहुंचे, कार्रवाई न होने पर हड़ताल की चेतावनी

भारत संवाद

प्रयागराज, नगर पंचायत फूलपुर क्षेत्र में दो सफाईकर्मियों पर हुए हमले के विरोध में नगर पंचायत के दर्जनों सफाईकर्मी और अन्य कर्मचारी एकजुट होकर कोतवाली पहुंचे। उन्होंने आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। मामला पूरा अच्छई मोहल्ले का है। दो दिन पहले सफाईकर्मी चांद ड्यूटी पर गया था। आरोप है कि मोहल्ले के ही एक युवक ने किसी बात पर नाराज होकर उसकी पिटाई कर दी। इससे चांद के पैर में चोट आ गई। घटना के दो दिन बाद उसी मोहल्ले में सफाई करने पहुंचे पप्पू के साथ भी मारपीट हुई। पप्पू का आरोप है कि उसी युवक ने पहले उसे डराया-धमकाया। फिर जलेबी व पकौड़ी लाने को मजबूर किया। जब जलेबी की मोटाई को लेकर कहा-सुनी हुई, तो युवक ने उसकी भी पिटाई कर दी।

इसके अलावा नगर के एंबुलेंस वाहन पर भी हाल ही में किसी युवक द्वारा पत्थरबाजी की घटना सामने आई है। इससे कर्मचारियों में और भी नाराजगी फैल गई है।

इन घटनाओं से आक्रोशित सफाईकर्मी व नगर पंचायत कर्मचारी एकत्र होकर जुलूस की शक्ल में कोतवाली पहुंचे। उन्होंने आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा सकते हैं।

इससे नगर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामला उनके संज्ञान में है और जांच के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

फास्ट ट्रैक

अपर निदेशक, सूचना श्री अरविन्द कुमार मिश्र ने ग्रहण किया कार्यभार

भारत संवाद

लखनऊः नवनियुक्त अपर निदेशक, सूचना श्री अरविन्द कुमार मिश्र (आई.ए.एस.) ने शुक्रवार को पूर्वाह्न में सूचना निदेशालय, लखनऊ में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। श्री मिश्र इससे पूर्व फरूर्खाबाद जनपद में मुख्य विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। उन्होंने मुजफ्फरनगर में अपर जिला मजिस्ट्रेट के पद सहित विभिन्न जनपदों में शासकीय दायित्वों का निर्वहन किया है।

साइबर जागरुकता दिवस पर साइबर क्राइम थाना मीरजापुर द्वारा कार्यशाला का आयोजन

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर के निर्देशन में साइबर क्राइम पुलिस थाना ,मीरजापुर द्वारा आज दिनांक 25/07/2025 को15 दिवसीय जनजागरुकता कार्यक्रम के दृष्टीगत साइबर जागरुकता दिवस के अवसर पर साइबर अपराध से संबन्धित घटनाओं की रोक थाम के लिये थाना क्षेत्रसंतनगर स्थान- श्री महावीर प्रसाद मेमोरियल इण्टर कॉलेज , पटेहरा कला , सन्तनगर जनपद मीरजापुर में साइबर जागरुकता से सम्बन्धित कार्यशाला का आयोजन किया गया ।जिसमें कॉलेज के लगभग 560 विद्यार्थियों द्वारा साइबर जागरूकता में प्रतिभाग किया गया । इस कार्यशाला में साइबर क्राइम थाना मीरजापुर के अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा साइबर अपराध के प्रकार की जानकारी दी गयी ।जैसे- साइबर अपराध क्या है, साइबर अपराध के प्रकार तथा उनसे कैसे बचा जाये तथा साइबर की दुनिया में नया अपराध डिजिटल गिरफ़्तारी के बारे में जानकारी दी गयी एवं फेसबुक पर सेक्सटोर्शन, स्क्रीन शेयरिंग एप के जरिये फजीर्वाड़ा, आनलाइन खरीदारी, टेलीग्राम एप्लीकेशन के माध्यम से ठगी व वढक, हअछछएळ, इण्टरनेट बैंकिंग के अपराध ,एवं साइबर अपराध की घटना घटित हो जाने पर राष्ट्रीय साइबर हेल्प नंबर 1930/साइबर क्राइमपोर्टल की वेबसाईट पर अपनी शिकायत दर्ज कैसे करें, के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। साइबर अपराध से बचाव हेतु क्या करें/क्या न करें से सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश का पम्पलेट वितरित किया गया। इस मौके श्री महावीर प्रसाद मेमोरियल इण्टर कॉलेज , पटेहरा कला , सन्तनगर के प्रबन्धक डा0 संजय सिंह ,प्रधानाचार्य भोलानाथ यादव कॉलेज प्रांगण में उपस्थित काफी छात्र/छात्राएं व अध्यापकगण मौजूद रहें ।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0देहात पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः25.07.2025 को उप निरीक्षक तेरसू सिंह यादव मय पुलिस टीम द्वारा 02 नफर वारण्टी 1. राम विलास पुत्र राम हरक व 2. कैलाश पुत्र राम हरक निवासीगण खुटहा मौनस थाना को0देहात जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चिल्ह पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः25.07.2025 को उप निरीक्षक सुरेश राम मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी कन्हई उर्फ बलई पुत्र रामराज निवासी पिपरिस महावीरपुर थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

महिला श्री साहित्य साधना सम्मान से सम्मानित हुई विजय लक्ष्मी

सारस्वत सभागार में आयोजित हुई कवि गोष्ठी

भारत संवाद

प्रयागराज। महिला श्री साहित्य साधना सम्मान का पाँचवा साहित्यिक अलंकरण समारोह आज दिनांक 25 जुलाई 2025, दिन शुक्रवार, समय अपराह्न 04 बजे सारस्वत सभागार, लूकरगंज में संपन्न हुआ। इसकी अध्यक्षता मारूफ शाइर अनवार अब्बास, मुख्य अतिथि कल्पना वर्मा, प्रोफेसर रवि मिश्र, डाक्टर आदित्य नारायण सिंह रहे। इस वर्ष यह सम्मान प्रयागराज की वरिष्ठ कवियत्री विजय लक्ष्मी विभा को संस्था के द्वारा प्रदान किया गया।इसके पूर्व रचना सक्सेना ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। यह सम्मान शहर समता सम्पादक व कवि, लेखक उमेश श्रीवास्तव की पत्नी साधना श्रीवास्तव के नाम से दिया जाता है।इसमें पाँच हजार रुपए का चेक, सम्मान पत्र, पदक तथा अंगवस्त्रम् अध्यक्ष तथा अतिथियों द्वारा दिया गया। इस सम्मान की नींव संस्था के द्वारा सन 2021 में रखी गई थी। इसके पूर्व सन् 2021 में अहिन्दी क्षेत्रवासी शिलांग की हिन्दी भाषा के प्रति विशेष लगाव रखने वाली वरिष्ठ कवियत्री डॉ० अनीता पाण्डा, सन् 2022 में कानपुर की वरिष्ठ कवियत्री सीमा वर्णिका को, सन् 2023 में प्रयागराज की कवियत्री रचना सक्सेना एवं सन 2024 में सुमन ढ़ींगरा दुग्गल को उनके साहित्यिक योगदान के लिए प्रदान किया गया था। ₹महिला श्री साहित्य साधना सम्मान₹ में साधना मात्र एक शब्द नहीं है बल्कि यह साहित्य साधक उमेश जी की जीवनसाथी रही हैं। वह साहित्यकार नहीं थीं लेकिन पुस्तकों से उन्हें बेहद स्नेह था। गद्य एवं पद्य दोनों विधाओं की पारखी थीं। साहित्यिक चर्चा में कलापक्ष एवं भाव पक्ष में प्रौढ़ता झलकती थी तथा भारतीयता से परिपूर्ण साहित्य की प्रबल समर्थक थीं। वह अपनी सकरात्मक साहित्यिक चचाओं के लिए सदैव स्मरणीय रहें, इसी पक्ष को ध्यान में रखते हुए महिला श्री साहित्य साधना सम्मान की शुरूआत की गई। दूसरे सत्र में काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें अनवार अब्बास, रवि मिश्र, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, डाक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय, शम्भूनाथ श्रीवास्तव, डाक्टर रामलखन चौरसिया, रंजन पाण्डेय, मुक्तक सम्राट रामकैलाश पाल प्रयागी, संजय सक्सेना, रचना सक्सेना, सरिता मिश्र, फरमूद इलाहाबादी, डाक्टर प्रदीप चित्रांशी, रामवीर पथिक, अभिषेक केसरवानी रवि, अशोक कुमुद, शरत श्रीवास्तव, एम एस खान, सेलाल खान, आदि ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन डाक्टर प्रदीप चित्रांशी ने किया।

05 स्नातक एवं 06 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों का निर्वाचन वर्ष 2026 में सम्पन्न होगा

स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने हेतु ऑनलाइन पोर्टल की व्यवस्था होगी

- प्रस्तावित निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण हेतु अर्हता की तिथि 01 नवम्बर, 2025 होगी
- पुनरीक्षण प्रक्रिया प्रारम्भ होने से पूर्व खण्ड स्नातक एवं खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदेय स्थलों का निर्धारण किया जाए
- मतदाताओं को 16 किमी से अधिक दूरी न तय करनी पड़े और मतदेय स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं हों

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश विधान परिषद में 08 सदस्य स्नातक निर्वाचन क्षेत्र तथा 08 सदस्य शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित होते हैं। 05 स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों यथा लखनऊ, मेरठ, आगरा, वाराणसी एवं इलाहाबाद-झांसी तथा 06 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों यथा लखनऊ, मेरठ, आगरा, वाराणसी, बरेली-मुरादाबाद एवं गोरखपुर-फैजाबाद से निर्वाचित वर्तमान सदस्यों का कार्यकाल दिनांक 07 दिसम्बर, 2026 को समाप्त हो रहा है। इन 05 स्नातक एवं 06 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों का निर्वाचन वर्ष 2026 में सम्पन्न होना है। लखनऊ स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में लखनऊ, हरदोई, खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली एवं प्रतापगढ़ जनपद, वाराणसी स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में बलिया, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, चन्दौली, भदोही, मिजार्पुर एवं सोनभद्र जनपद, आगरा स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, मैनपुरी, इटावा, कन्नौज, औरैया, फरूर्खाबाद एवं कासगंज जनपद, मेरठ स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में बुलन्दशहर, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली एवं हापुड़ जनपद, इलाहाबाद-झांसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में प्रयागराज, कौशाम्बी, फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, जालौन, झांसी एवं ललितपुर जनपद, बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर एवं सम्भल जनपद तथा गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में बहराइच, श्रावस्ती, गोण्डा, बलरामपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर, गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, सुल्तानपुर, अयोध्या, अमेठी एवं अम्बेडकरनगर जनपद सम्मिलित हैं।विधिक प्राविधानों के अनुसार जिस वर्ष स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों का निर्वाचन होना होता है उन निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली उस वर्ष से एक वर्ष पूर्व नये सिरे (क्म.दवअव) से तैयार करायी जाती है। अतः उपर्युक्त निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली की पुनरीक्षण की प्रक्रिया वर्ष 2025 में ही प्रारम्भ होगी। वर्ष 2025 में प्रस्तावित निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण हेतु अर्हता की तारीख 01 नवम्बर, 2025 होगी। सामान्यतया भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पुनरीक्षण से संबंधित निर्देश जुलाई-अगस्त माह में प्रेषित किया जाता है।स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने हेतु आवेदक को अर्हता तिथि से कम से कम 03 वर्ष पूर्व या तो भारत के किसी विश्वविद्यालय से स्नातक होना चाहिए या ऐसी अर्हता धारित करता है जो भारत में किसी विश्वविद्यालय के स्नातक के समतुल्य हो।

कैंटोनमेंट बोर्ड प्रयागराज द्वारा मीडिया सम्मेलन का आयोजन

पत्रकार लोकतंत्र के सजग प्रहरी हैं-कैप्टन ए.के.सिन्हा

भारत संवाद

प्रयागराज।कैंटोनमेंट बोर्ड प्रयागराज द्वारा 25 जुलाई को कैंट हाई स्कूल, न्यू कैंट, प्रयागराज के प्रांगण में एक सफल मीडिया सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य बोर्ड द्वारा संचालित चारों विद्यालयों- कैंट हाई स्कूल, विकर पब्लिक जूनियर हाई स्कूल, आर.ए. बी. पब्लिक स्कूल, और उड़ान स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रेन में चल रही विभिन्न शैक्षिक, सह-पाठ्यक्रम तथा समावेशी विकास गतिविधियों को मीडिया के माध्यम से व्यापक जनसमुदाय तक पहुँचाना था। कार्यक्रम की एक विशेष प्रस्तुति में विद्यार्थियों ने 'मास मीडिया' विषय पर एक लघु नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक के माध्यम से छात्रों ने मीडिया की भूमिका, समाज पर उसके प्रभाव और जानकारी के महत्व को अत्यंत रचनात्मक तरीके से दशार्या। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विभिन्न प्रमुख मीडिया संस्थानों के ब्यूरो चीफ सहित कई वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे। इसमें सहज स्वराज समाचार पत्र से संपादक लवलेश मिश्रा, भारत एकता न्यूज से रिपोर्टर शाह आलम, हिंदुस्तान से वरिष्ठ रिपोर्टर अभिषेक मिश्रा, दैनिक कर्मठ से संपादक कमल श्रीवास्तव, अमर उजाला से फोटो जर्नलिस्ट सत्येंद्र गुप्ता, हिंदुस्तान से फोटो जर्नलिस्ट सत्यम श्रीवास्तव, अखंड भारत से रिपोर्टर शिव पांडेय, सच तक 24 से ब्यूरो शीतला तिवारी, प्रयाग प्रभात से संपादक एस. के. मिश्रा, जन श्रुति टाइम से अमरदीप चौधरी और हिंदुस्तान समाचार से पत्रकार अभिषेक अवस्थी प्रमुख थे।इस दौरान, उपस्थित ब्यूरो चीफ ने भी अपने विचार साझा करते हुए मीडिया की सामाजिक भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में स्कूल को ऑर्डिनेटर कैप्टन ए. के. सिन्हा, सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन श्री वी.डी. शुक्ला द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया, जिसमें उन्होंने सभी आगंतुकों, मीडिया प्रतिनिधियों, विद्यालयों के स्टाफ एवं छात्रों का आभार व्यक्त किया।

महापौर के कुशल नेतृत्व में नगर निगम के सभी आठ जोन में जोन अध्यक्ष के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए

भारत संवाद

नगर निगम प्रयागराज , दिन शुक्रवार को महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी के नेतृत्व में नगर निगम के सभी आठ जोन अध्यक्षों को उनकी जीत पर बधाई दी, यह एक महत्वपूर्ण अवसर है जिसमें महापौर ने अपने नेतृत्व कौशल और संगठनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया है। महापौर ने सभी जोन अध्यक्षों को उनकी जीत पर बधाई दी है, जो उनके नेतृत्व में काम करने के लिए तैयार हैं, महापौर ने जोन अध्यक्षों को आश्वस्त किया है कि वे उनके साथ मिलकर काम करेंगे और शहर के विकास के लिए आवश्यक समर्थन प्रदान करेंगे, महापौर की इस पहल से जोन अध्यक्षों में उत्साह और प्रेरणा का संचार होगा, जो शहर के विकास के लिए महत्वपूर्ण है । नवनियुक्त जोन अध्यक्षों में जोन 1 रोमा भारतीय, जोन 2 नीरज टंडन, जोन 3 विश्वास रावत, जोन 4 कृष्ण कुमार पाठक सोनू, जोन 5 राकेश जयसवाल, जोन 6 शिव भारतीय, जोन 7 सूबेदार भारतीय, जोन 8 सुमित निषाद बधाई देने वालों में राजेश केसरवानी पार्षद मुकेश लारा, कुसुम लता गुप्ता, सुनीता चोपड़ा, किरण जयसवाल, नीरज गुप्ता, सियाराम मौर्य, साहिल अरोरा, शिवनारायण यादव, पवन यादव, दीप चंद्र मुन्ना, बालराज पटेल, दीपक कुशवाहा अनिल कुशवाहा दिग्विजय कुशवाहा, आदि पार्षद गण उपस्थित रहे

माननीय जनपद न्यायाधीश के द्वारा राजकीय बाल गृह किशोर में 10 दिवसीय पाक कला प्रशिक्षण का किया गया शुभारंभ

भारत संवाद

आज दिनांक 25.7.2025 को माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष , जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज श्री संजीव कुमार द्वारा राजकीय बाल गृह किशोर में 10 दिवसीय पाक कला प्रशिक्षण का शुभारंभ रसोई घर में स्वास्तिक बनाकर किया गया। यह 10 दिवसीय पाक कला प्रशिक्षण यूनाइटेड यूनिवर्सिटी झलवा प्रयागराज के आतिथ्य संकाय द्वारा दिया जाएगा । प्रशिक्षण के अंत में लिखित व प्रायोगिक परीक्षा होगी और प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी को पुरस्कृत किया जाएगा । माननीय जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज द्वारा राजकीय संप्रेषण गृह किशोर में आवासित बालकों को पाक कला के गुण से होने वाले लाभ से अवगत कराते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान की गई। इस अवसर पर श्री मनराज सिंह अपर जनपद न्यायाधीश, श्री राहुल सिंह अपर जनपद न्यायाधीश , श्री विनोद कुमार चौरसिया अपर जनपद न्यायाधीश, श्री रविकांत द्वितीय अपर जनपद न्यायाधीश , श्री दिनेश कुमार गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज, श्रीमती शिखा चौधरी, प्रधान मजिस्ट्रेट, किशोर न्याय बोर्ड के साथ-साथ उपाध्यक्ष श्री गौरव गुलाटी, यूनाइटेड यूनिवर्सिटी व डॉ चेतन व्यास डीन , योजना व विकास, आतिथ्य संकाय, यूनाइटेड यूनिवर्सिटी व शेफ मिर्जा शाजान बेग, विभागाध्यक्ष आतिथ्य विभाग, यूनाइटेड यूनिवर्सिटी के साथ श्री सर्वजीत सिंह जिला प्रोबेशन अधिकारी , श्री राकेश चौरसिया व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। यह जानकारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज द्वारा प्रदान की गई

समर्पित

आयुष एवं आयुष शिक्षा सचिव, उत्तराखंड, श्री दीपेंद्र चैधरी जी (आईएएस) आये परमार्थ निकेतन

अमर शहीद श्रीदेव सुमन जी की पुण्यतिथि पर परमार्थ निकेतन गंगा जी की आरती अर्पित कर श्रद्धा सुमन किये समर्पित

- स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी से भेंट कर लिया आशीर्वाद
- उत्तराखंड को हैल्थ व वेलनेस राज्य के रूप में विकसित करने हेतु हुई विशद चर्चा
- जनक्रांति के अग्रदूत, मातृभूमि के लिए अमर बलिदान का अनुपम उदाहरण है शहीद श्रीदेव सुमन जी

भारत संवाद

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में आयुष एवं आयुष शिक्षा सचिव, उत्तराखंड, श्री दीपेंद्र चैधरी जी (आईएएस) का आगमन हुआ। उन्होंने स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी से भेंट कर आशीर्वाद लिया। उत्तराखंड को हैल्थ व वेलनेस राज्य के रूप में विकसित करने हेतु हुई विशद चर्चा। स्वामी जी ने उन्हें कांवड मेला के सफलतापूर्वक समापन की शुभकामनायें दी।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि उत्तराखंड को हैल्थ और वेलनेस के क्षेत्र में वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करना होगा। गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्रों में हैल्थ व वेलनेस सेंटर्स खोलने की आवश्यकता पर बल देते हुये कहा कि यहां पर आयुर्वेद का विकास एक अत्यंत दूरदर्शी व यथार्थ दृष्टिकोण है। हैल्थ व वेलनेस सेंटर स्थापित करने से देश-विदेश से आने वाले योग प्रेमियों को प्रशिक्षण प्रदान करने तथा ट्रेनिंग प्रोग्राम संचालित करने हेतु भी मदद मिलेगी तथा उत्तराखंड की महिलाओं और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बना सकते हैं। साथ ही हिमालय की गोद में समृद्ध जड़ी-बूटी परम्परा को संरक्षित कर, उत्तराखंड़ को केरल की भांति एक अग्रणी हैल्थ व वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा सकता है।राष्ट्र जनक्रांति के महानायक, स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी श्रीदेव सुमन जी की पुण्यतिथि पर परमार्थ निकेतन में विशेष यज्ञ कर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और परमार्थ गुरूकुल के ऋषिकुमारों ने श्रद्धासुमन अर्पित किये। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में आज की परमार्थ निकेतन गंगा जी की आरती उन्हें समर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि श्रीदेव सुमन जी एक विचार थे; वे चिंगारी थे, क्रांति की ज्वाला थे। उनका जीवन त्याग, तप, सत्य और स्वदेश के लिए समर्पण की अद्भुत मिसाल है। गांधीजी से प्रभावित होकर उन्होंने सत्याग्रह, असहयोग और अहिंसा को अपने जीवन का मार्ग बनाया। उन्होंने टिहरी राज्य की तानाशाही और अन्याय के विरुद्ध आवाज बुलंद की। उन्होंने जनमानस को शिक्षित करने, संगठित करने और अत्याचार के विरुद्ध उठ खड़े होने की शक्ति दी। अपने लेखों, भाषणों और आंदोलनों के माध्यम से उन्होंने उत्तराखंड की राजनीति में क्रांतिकारी चेतना का संचार किया।

1944 में टिहरी रियासत की जेल में बंद किए गए श्रीदेव सुमन जी ने जब जेल में अमानवीय व्यवहार और तानाशाही का विरोध किया, तो उन्हें यातनाएँ दी गईं। लेकिन उन्होंने झुकने से इनकार किया। उन्होंने 84 दिन तक आमरण अनशन किया। अंततः 25 जुलाई 1944 को उन्होंने अपना जीवन मातृभूमि के चरणों में अर्पित कर दिया। वे मर कर भी जनमानस में, चेतना में, और स्वतंत्र भारत के इतिहास में अमर हो गए। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि आज की पीढ़ी को श्रीदेव सुमन जी जैसे अमर बलिदानियों से प्रेरणा लेनी होगी। जिन्होंने बताया कि एक अकेला व्यक्ति भी अन्याय के विरुद्ध क्रांति खड़ी कर सकता है। वे उत्तराखंड ही नहीं, संपूर्ण भारत के गौरव हैं।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ 2027 रेल योजनाओं की समीक्षा की

रेलवे तीर्थयात्रियों की सुचारू आवाजाही के लिए एआई आधारित निगरानी और नियंत्रण लागू करेगा

- सिंहस्थ 2027 के दौरान यात्री सुविधाओं में व्यापक उन्नयन के लिए 5 प्रमुख स्टेशनों- नासिक, देवलाली, ओढ़ा, खेरवाड़ी और कसबे सुकेणे में 1,011 करोड़ रुपए की लागत से बुनियादी ढांचा विकास पर जोर
- महाकुंभ 2025 से सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को अपनाने पर बल

भारत संवाद

रेल मंत्रालय ने प्रयागराज महाकुंभ की तरह ही 2027 में आयोजित होने वाले नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ के लिए अग्रिम तैयारियां आरंभ कर दी हैं। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने योजनाओं की गहन समीक्षा की। मध्य रेलवे के जीएम, भुसावल डिवीजन के डीआरएम और अन्य अधिकारियों ने मंत्रियों तथा रेलवे बोर्ड को इसकी योजना और कार्यान्वयन की स्थिति के बारे में जानकारी दी। मेला क्षेत्र से संपर्क सुदृढ़ बनाना : रेलवे सिंहस्थ के लिए व्यापक बुनियादी ढांचे और प्रचालनगत उन्नयन का कार्य आरंभ करेगा। इसने पूरे क्षेत्र में स्टेशनों की क्षमता विस्तार के लिए एक एकीकृत योजना तैयार की है। इसका लक्ष्य नासिक सिंहस्थ 2027 के दौरान यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करना है। रेल मंत्री ने अधिकारियों से महाकुंभ 2025 के अनुभव से प्राप्त सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों को नासिक के सभी निकटवर्ती स्टेशनों पर पर्याप्त सुविधाएं विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने निर्बाध परिवहन के लिए पर्याप्त स्टेब्लिंग क्षमता की आवश्यकता पर बल दिया। अधिकारियों ने बताया कि मेला क्षेत्र के आसपास के 5 प्रमुख स्टेशनों पर यात्री यातायात का प्रबंधन किया जाएगा। ये स्टेशन हैं: नासिक रोड, देवलाली, ओढ़ा, खेरवाड़ी और कसबे सुकेणे। बुनियादी ढांचे का उन्नयन, यात्री सुविधाओं में वृद्धि: रेलवे अधिकारियों ने चिन्हित पांचों स्टेशनों पर प्रस्तावित बुनियादी ढांचे के कार्यों और यात्री सुविधाओं का विवरण साझा किया। इन स्टेशनों पर नियोजित कार्यों की लागत 1,011 करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है।

नासिक रोड: प्लेटफॉर्म-4 को दो दिशाओं वाला बनाया जाएगा। प्लेटफॉर्म-1 का विस्तार 24 कोच वाली ट्रेनों के लिए किया जाएगा। 12 मीटर चौड़ा एफओबी बनाया जाएगा। माल शेड को होल्डिंग एरिया के रूप में उपयोग करने का

नासिक रोड पर स्टेब्लिंग लाइनें विकसित की जा रही हैं। प्लेटफॉर्म की सतह, चारदीवारी और मेला टावर का भी उन्नयन किया जाएगा।

वृहद रोजगार मेला 29 जुलाई को, 20 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियाँ करेंगी प्रतिभाग

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा अवसर प्रदान करते हुए एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन 29 जुलाई 2025 को प्रातः 10:00 बजे से किया जा रहा है। यह मेला अम्रता सिंह मैमोरियल डिग्री कॉलेज, अनूपशहर रोड, तेजपुर, जवां में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल करियर सेंटर, राजकीय आईटीआई एवं अम्रता सिंह मैमोरियल डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में लगभग 20 नामचीन कंपनियाँ प्रतिभाग करेंगी, जो लगभग 2100 रिक्त पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। प्रमुख कंपनियों में विजन इंडिया सर्विस (नोएडा), टाटा स्ट्राइव स्किल डेवलपमेंट सेंटर (अलीगढ़), पेटीएम (नोएडा), ई.एफ.एस. प्रा. लि. (सुडियाल अलीगढ़), एस.आई.एस. सिक्योरिटी सर्विस (देहरादून) सहित अन्य प्रतिष्ठान शामिल हैं। मेले में जिन पदों पर भर्ती की जाएगी उनमें सिक्योरिटी सर्विस, मार्केटिंग, अकाउंटेंट, प्रोडक्शन एसोसिएट, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्स, वेलनेस एडवाइजर, सुपरवाइजर, स्टोर इंचार्ज, पैकिंग इंचार्ज, टेली कॉलर आदि प्रमुख हैं। चयन के लिए शैक्षणिक योग्यता के रूप में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, आई.टी.आई., डिप्लोमा, बी.टेक, बी.बी.ए., एम.बी.ए. उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल तथा राष्ट्रीय सेवायोजन पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। केवल पंजीकृत अभ्यर्थियों को ही मेले में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। अभ्यर्थी मेले में सम्मिलित होते समय अपने साथ एक्स-10 पंजीयन कार्ड, समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की मूल एवं छायाप्रति, पहचान पत्र (फोटो आई.डी.), दो पासपोर्ट साइज फोटो, बायोडाटा/रिज्यूमे की प्रति अवश्य लाएं।

जिलाधिकारी ने कांवड यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराए जाने पर सभी को दिया धन्यवाद

11 विभागों को सौंपी गयी जिम्मेदारियां, बखूबी निभाने पर मिली दुआएं, बना रहा आस्था का माहौल

भारत संवाद

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कांवड यात्रा 2025 को सफल, सुरक्षित, स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण ढंग से क्रियान्वित करने के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाई। इसको त्वरित ढंग से लागू करने के लिए संबंधित अधिकारियों की निरंतर समीक्षा बैठक कर कार्य की प्रगति को जानते रहे। शिवभक्तों को कोई असुविधा न हो इसके लिए मैनुअल मॉनीटरिंग के तहत दिन-प्रतिदिन कांवड मार्गों का निरीक्षण, शिविरों में व्यवस्थाओं का जांचा जाना, यातायात व्यवस्था पर निगरानी रखना शामिल रहा।

इसके अतिरिक्त आधुनिक आवश्यकताओं को देखते हुए तकनीकी विकास के तहत यात्रा को सकुशल सम्पन्न करवाया गया। इस

■ 76 मजिस्ट्रेट एवं 2652 पुलिसकर्मियों द्वारा यात्रा को करवाया गया सम्पन्न

तकनीकी विकास के अन्तर्गत आईसीसीसी में कम्प्यूटर के माध्यम से 10 विभागों की टीम लगाकर न केवल यातायात व्यवस्था को देखा गया बल्कि शिवभक्तों की समस्याओं के दृष्टिगत एक टोलफ्री नंबर जारी किया गया। एक व्यवस्थित कन्ट्रोल रूम बनाया गया। साथ

जिलाधिकारी ने कांवड यात्रा को ऐतिहासिक बनाने में सभी संबंधित विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी तथा इसके क्रियान्वयन एवं मॉनीटरिंग के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गये। जिस पर स्वयं उन्होने त्वरित निस्तारण के दृष्टिगत निर्देश दिए। उन्होने जनपदवासियों की सुविधाओं का भी

निरंतर ध्यान रखा। इसके लिए लगभग एक माह पूर्व से ही समस्त तैयारियां तथा चरणबद्ध तरीके से लागू होने वाली यातायात व्यवस्था का प्रचार-प्रसार सूचना विभाग के माध्यम से किया।

मनीष बंसल ने कांवड यात्रा के सकुशल सम्पन्न होने पर मण्डलायुक्त अटल कुमार राय, पुलिस उप महानिरीक्षक श्री अभिषेक सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री आशीष तिवारी, मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री संतोष बहादुर सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री सलिल कुमार पटेल सहित जनपद के संभ्रांत जनों, सामाजिक कार्यकताओं, पत्रकार बंधुओं तथा आमजनों, सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया।

लोक निर्माण विभाग द्वारा कांवड के निर्धारित रूट के अतिरिक्त अन्य मार्गों की दूरी लगभग 185 किमी को ठीक किया गया। विद्युत विभाग द्वारा 3588 पोल ढकवाए गये। 322 ट्रांसफार्मर को बैरिकेड किया गया। 144 विद्युत लाईन्स की गाड्रिंग कराई गयी तथा 409 विद्युत लाइन की सैगिंग की गयी। चिकित्सा विभाग द्वारा 53 चिकित्सक, 183 पैरामैडिकल स्टाफ, 21 चिकित्सा शिविर एवं 19 एम्बुलेंस लगाई गयी।

फास्ट ट्रैक

देहरादून-सहारनपुर नई रेल लाइन के सर्वे कार्य को मिली गति

शकुंभरी देवी के मार्ग से प्रस्तावित 81 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई

भारत संवाद

सहारनपुर। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, रेलवे तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि देहरादून-सहारनपुर रेलवे लाइन परियोजना के तहत सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि सहारनपुर से देहरादून तक शकुंभरी देवी के मार्ग से प्रस्तावित 81 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई है तथा डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डी पी आर) तैयार करने की दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यह जानकारी राज्यसभा में पूछे गए प्रश्न संख्या 739 के उत्तर में दी गयी। केन्द्रीय मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय रेलवे में परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत एवं गतिशील प्रक्रिया है, जो लाभप्रदता, यातायात पूर्वानुमान, अंतिम छोर की कनेक्टिविटी, मिसिंग लिंक, वैकल्पिक मार्ग, व्यस्त या अधिभारित लाइनों की क्षमता वृद्धि तथा सामाजिक-आर्थिक पहलुओं के आधार पर की जाती है। इसके साथ ही, वर्तमान में जारी परियोजनाओं की प्रतिबद्धताओं, कुल उपलब्ध वित्तीय संसाधनों तथा अन्य प्राथमिकताओं को भी ध्यान में रखा जाता है।

उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण में न हो कोई लापरवाही: डीएम

भारत संवाद

सहारनपुर। जिलाधिकारी एवं जनपद स्तरीय पर्यवेक्षण एवं निगरानी समिति के अध्यक्ष के अध्यक्ष मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में पैक्स कम्प्यूटराइजेशन योजनान्तर्गत विभिन्न चरणों में चयनित जनपद की 115 बी0पैक्स के कार्यों की प्रगति समीक्षा की गई। जनपद की प्रथम चरण में चयनित 66 बी0पैक्स में से केवल 26 पैक्स द्वारा ही वर्ष 2023-24 का कार्य पूर्ण करने पर जिलाधिकारी द्वारा गहरा रोष व्यक्त किया गया तथा 31 जुलाई 2025 तक सम्बन्धित कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। जिन समितियों के द्वारा वर्ष 2023-24 का ल्म्ब् (ल्मंत म्दक च्तवबमे) का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, उन्हें वर्ष 2024-25 का कार्य 31 जुलाई 2025 तक पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। द्वितीय चरण में चयनित 06 बी0पैक्स को एक सप्ताह के अन्दर वर्ष 2024-25 का संतुलन पत्र बैंक एवं विभागीय आडिट हेतु उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिये गये। उन्होने सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता को निर्देश दिये कि यदि बी0पैक्स द्वारा समयांतर्गत उपरोक्त निदेशों का पालन नही किया जाता है तो 01 अगस्त 2025 के बाद सचिव के स्थानान्तरण/निलम्बन से सम्बन्धित पत्रावली कार्यवाही हेतु प्रस्तुत की जाये। मनीष बंसल ने गत समीक्षा बैठक के बाद भी कार्य में प्रगति नही करने वाले तीन बी0पैक्स यथा- अनवरपुर बरौली के सचिव रोहित राणा, बी0पैक्स रणदेवा समिति के सचिव निखिल शर्मा एवं बी0पैक्स पटनी के सचिव कुलदीप को निलम्बित करने हेतु सदस्य सचिव, जिला प्रशासनिक कमेटी/सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता, सहारनपुर को निर्देशित किया गया। पैक्स कम्प्यूटराइजेशन योजनान्तर्गत जनपद में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बी0पैक्स घाटेड़ा के सचिव राजकुमार एवं कर्मचारी गौरव को जिलाधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा जिन समिति सचिवों द्वारा वर्ष 2023-24 का अपना कार्य पूर्ण कर लिया गया है उनकी प्रशंसा करते हुए आगे का कार्य 31 जुलाई 2025 तक पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा जनपद में रासायनिक उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण की भी समीक्षा की गई जिसमें उनकें द्वारा उर्वरक की बोरियों पर किसी भी प्रकार के अन्य उत्पादों की टैगिंग न करने, जनपद के सभी केन्द्रों पर रासायनिक उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा उर्वरक की बिक्री/वितरण में बिक्री केन्द्रों पर किसी प्रकार का मूल्याधिक न हो पाये, इस हेतु सभी को विशेष निर्देश दिये गये।

विनियमन समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

दो वर्षों की विधान कार्यवाही व जनप्रतिनिधियों के पत्राचार पर हुई समीक्षा

- जिले के प्रस्तुतिकरण की सम्पूर्ण सदन ने की सराहना
- सदन में मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक के पद पर नियुक्ति न होने का उठा मुद्दा

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक कलक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता समिति की सभापति डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने की। समीक्षा में समिति के मा0 सदस्य डा0 जयपाल सिंह व्यस्त, डा0 रतनपाल सिंह, डा0 तारिक मंसूर, चौ0 ऋषिपाल सिंह द्वारा भी मा0 सभापति का सहयोग किया गया। बैठक में जिले से संबंधित विगत दो वर्षों की विधान कार्यवाही, सदन में प्रस्तुत सूचनाओं, विशेषाधिकार हनन, जनप्रतिनिधियों के पत्राचार और उनके निस्तारण की स्थिति की गहन समीक्षा की गई।बैठक में संबंधित अधिकारियों द्वारा नियम-105, 110, 115, 111, 39, 39(क) और 223 के अंतर्गत सदन में प्रस्तुत सूचनाओं का पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया गया। समिति ने सूचनाओं पर हुई कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि विधानमंडल से प्राप्त किसी भी पत्र या सूचना के निस्तारण में कोई ढिलाई न हो और उत्तर गुणवत्तापरक व समयबद्ध हों। समिति ने जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण की भूरि भूरि प्रशंसा की। मा0 विधान परिषद सदस्य श्री जगवीर किशोर जैन द्वारा मण्डल गठन के लगभग 10 वर्षों बाद भी मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक के पद सहित अन्य स्वीकृत पदों के सृजन न होने पर चिंता व्यक्त की गई। उन्होंने बताया कि इससे शिक्षकों के सेवा उपरांत देयकों के भुगतान में विलंब हो रहा है। समिति ने इस विषय पर डीआईओएस द्वारा प्रस्तुत उत्तर को असंतोषजनक मानते हुए 15 दिन के भीतर 5 बिंदुओं पर विस्तृत आख्या सदन में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। डीआईओएस ने बताया कि वर्तमान में किसी शिक्षक या कर्मचारी का वेतन अवरुद्ध नहीं है।मा0 सदस्य श्री मानवेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा उठाए गए एक बिंदु पर जवाब देने के लिए अधिशासी अभियंता पवन यादव उपस्थित रहे, लेकिन महाप्रबंधक हरदुआगंज तापीय परियोजना की अनुपस्थिति पर समिति ने असंतोष जताया। इसी क्रम में श्री उमेश द्विवेदी एवं श्री सिंह द्वारा एक ग्राम पंचायत में पक्के मार्ग निर्माण की मांग को गंभीरता से लेते हुए समिति ने जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत की छोटे सीमा क्षेत्र व संसाधन की कमी के बावजूद उक्त मार्ग निर्माण की कार्यवाही की जाए।

जिलाधिकारी ने पशुओं को संक्रामक रोगों से बचाने हेतु मोबाईल पशु चिकित्सालय वैन को दिखाई हरी झण्डी

जनपद में 45 दिनों तक चलेगा टीकाकरण अभियान: मनीष बंसल

भारत संवाद

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा पशुओं को संक्रामक रोग खुरपंका-मुंहपका (एफ.एम.डी) से बचाव हेतु टीकाकरण कार्यक्रम में लगी हुई विभागीय टीकारकरण टीमों को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए टीकाकरण अभियान की शुरूआत की गयी।

मनीष बंसल ने बताया कि यह अभियान अगामी 45 दिनों तक चलेगा जिसमें पशुपालन विभाग की टीमों जनपद के समस्त गांव में घर-घर जाकर पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। उन्होने अभियान की सफलता के लिये विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये और जनता से अपील की कि वे अपने पशुओं का टीकाकरण अवश्य करवायें तथा कोई भी पशु टीकाकरण से वंचित न रहें।

अपर निदेशक ग्रेड-2 डा० मेघश्याम सिंह ने बताया रैली के माध्यम से लोगों को टीकाकरण के प्रति जागरूक किया गया। उन्होने बताया कि खुरपका-मुंहपका एक संक्रामक रोग है जो बीमार पशुओं से स्वस्थ पशुओं में तेजी से फैलता है और टीकाकरण ही इसका एक मात्र बचाव है। यह अभियान

साल में दो बार चलाया जाता है तथा अगामी अभियान में जनपद में लगभग 555000 पशुओं का टीकाकरण किया जायेगा। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा० मदनपाल सिंह द्वारा बताया गया है, कि यह टीकाकरण अभियान जनपद के 11 ब्लॉकों से संचालित किया जायेगा तथा इस अभियान में 32 टीमें उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी एवं पशुचिकित्साधिकारी के मार्गदर्शन में कार्य करेगी तथा टीम के प्रभारी पशुधन प्रसार अधिकारी होगें। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि यह टीकाकरण 4 माह से छोटे पशु बच्चों तथा 7 माह से अधिक गर्भित मादा पशुओं में नही किया जायेगा। यह टीकाकरण पूर्णतः निशुल्क है जिसमें पशुपालक के द्वार पर जाकर टीकाकरण किया जायेगा

व्यापारी व नगर निगम अधिकारी आमने सामने, जमकर किया हंगामा

सहारनपुर। शहर का नगर निगम कार्यालय शुक्रवार को फिर एक बार सियासी तनाव और विवादों का अखाड़ा बन गया। अचानक व्यापार मंडल के तीन दर्जन से अधिक पदाधिकारी नगर निगम परिसर पहुंचे और अधिकारियों के कमरों में घुसकर कैमरों के सामने ऑन-कैमरा पूछताछ शुरू कर दी। इससे पूरे परिसर में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया। व्यापारी गुट ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने उन्हें कमरे से जबरन बाहर निकालने की कोशिश की, दुर्व्यवहार किया और गिरफ्तारी की धमकी दी। इसके बाद व्यापारी निगम गेट पर ही धरने पर बैठ गए, जिससे प्रशासन और सुरक्षा तंत्र में हड़कंप मच गया। मुद्दा वही पुराना जीआईएस, अतिक्रमण और पॉलीथिन पर कार्रवाई। व्यापारियों का आरोप है कि प्रशासन उन्हें एकतरफा निशाना बना रहा है

साइबर ठगी के शिकार को 8.45 लाख की रकम वापिस दिलायी

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना साइबर क्राइम पुलिस टीम ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुए साइबर ठगी के मामले में पीड़ित से धोखाधड़ी कर निकाली गई घ8,45,000 की रकम वापस कराई है। वादी देवेन्द्र कुमार, निवासी दारा शिवपुरी कॉलोनी, वजीर विहार, थाना सदर बाजार, सहारनपुर ने 15 मई 2025 को शिकायत दर्ज कराई थी कि सोशल मीडिया पर दोस्ती करने वाली एक अज्ञात महिला ने उन्हें फर्जी ऐप के जरिए इन्वेस्टमेंट कर फायदा होने का झांसा दिया, जिससे वादी से कुल घ58,04,777 की ठगी की गई। इस मामले में थाना साइबर क्राइम सहारनपुर ने मु.अ.सं. 12/24 धारा 318(4) छठै व 66क प्ज एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर त्वरित जांच शुरू की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देश पर चल रही इस जांच के अंतर्गत पुलिस टीम ने विवेचना के दौरान घ8,45,000 की राशि होल्ड कराई थी, जिसमें से पहले घ1,22,876 वादी के खाते में वापस कराए गए। शेष घ7,22,124 को न्यायालय के आदेश से विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए वापस कराया गया। पीड़ित द्वारा अपनी ठगी गई धनराशि वापस मिलने पर साइबर क्राइम थाना पुलिस एवं सहारनपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया गया।पुलिस टीम जिनके प्रयास से धनराशि वापस कराई गई

शातिर चोर पुलिस के हत्थे चढ़ा

सहारनपुर। थाना बेहट पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान शातिर चोर सलमान पुत्र आलिम, निवासी मुजफ्फरा, थाना फतेहपुर को बेहट-गंदेवड़ रोड से गिरफ्तार किया। सलमान के कब्जे से 1 मोटरसाइकिल, 1 गैस सिलेंडर, 1 इन्वर्टर और 2 बैटरे बरामद हुए। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ पहले से ही आधा दर्जन मुकदमे दर्ज है

इगलास मंडल महिला मोर्चा ने श्रीमती कल्पना शर्मा का किया सम्मान

भारत संवाद /योगेश शर्मा

एक करोड़ सेल्फी विद लाभार्थी अभियान मे श्रीमती कल्पना शर्मा का उत्तर प्रदेश मे तृतीय स्थान आने पर इगलास मण्डल महिला मोर्चा ने उनका सम्मान किया. इगलास मण्डल की अर्चना सिंसिंवार,सुमन शर्मा, इंदु शर्मा,सीमा देवी,गुड़िया उपाध्याय, किरन और मण्डल की समस्त कार्यकारिणीउपस्थित रही.

सपाईयों ने पूर्व सांसद स्व. फूलन देवी की पुण्यतिथि मनाई

भारत संवाद

सहारनपुर। अंबाला रोड स्थित सपा जिला कार्यालय पर आज पूर्व सांसद वीरांगना स्वर्गीय फूलन देवी की पुण्यतिथि मनाई कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चैधरी अब्दुल वाहिद ने कहा कि पूर्व सांसद वीरांगना स्वर्गीय फूलन देवी के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए अपने अस्तित्व को बनाने का काम किया। उन्होंने अपने जीवन के संघर्ष के बीच समाज के उत्थान के लिए कार्य किया। पूर्व सांसद हाजी फजलुर रहमान एवं सपा प्रदेश सचिव पूर्व मंत्री मंगाराम कश्यप ने कहा कि नारी उद्धार को फूलन देवी ने बड़ा ही कष्ट पूर्ण जीवन व्यतीत किया लेकिन वह अपने संघर्ष से हारी नहीं बल्कि अपने कष्ट को चुनौती के रूप में स्वीकार कर आगे बढ़ने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि सपा संरक्षक एवं पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने उन्हें सम्मान देते हुए दो बार सांसद बनाया और उनके जीवन को नया रास्ता दिखाने का काम किया जिसके बल पर उन्होंने महिलाओं के सम्मान की लड़ाई मजबूती के साथ लड़ी। ऐसी वीरांगना महिला को हमें सदैव सम्मान देना चाहिए। इस मौके पर सपा प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य चैधरी सलीम अख्तर सपा प्रदेश सचिन इसरार चैधरी सपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं कार्यालय प्रभारी फैसल सलमानी जिला उपाध्यक्ष सुदेश गुर्जर पूर्व सांसद प्रतिनिधि सैयद हसन डॉ नरेश कश्यपराजकुमा हसीन कुरैशी कश्यप प्रीतम कश्यप मनोज कश्यप राहुल कश्यप रोहित कश्यप रमेश कश्यप प्रधान बेड़ा यादराम कश्यप शाहिद मंसूरी विनोद कश्यप ब्रजेश कश्यप प्रधान मांगेराम कश्यप प्रधान सुभाष कश्यप अनूप कश्यप राधेश्याम कश्यप योगेंद्र सेन फर्स्ट कश्यप राजीव कुमार कश्यप श्यामलाल कश्यप यादराम कश्यप दीपक कश्यप नितिन ठाकुर रवि कश्यप ललित मोहन कश्यप आदि उपस्थित रहे।

कहासुनी

मन से आगे बढ़ना सीखो !
मन से मिलना सीखो !
आपस में क्या लड़ना ?
मन न मिले तो दूर हो जाओ !
मन ही मन क्यों किसी को कोसना ?
माटी का खिलौना हो, माटी में है मिलना,
किस पर इतना अभिमान करना,
क्या है मेरा इस जग में ?
बस मोह का बन्धन है,
यहाँ सुलझे हुए भी उलझे हुए हैं,
दो दिन की है जिंदगानी,
तू तू मैं मैं क्यों किसी से करना ?
तुमने कहा मैंने सुना,
मैंने कहा तुमने सुना,
मन में गाँठ मत रखना,
कहासुनी हो गई तो,
बात को दिल से मत लेना,
अपनों से क्यों झगड़ना ?

(मौलिक रचना)
चेतना सिंह, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
२५/७/२०२५, ०१:५५ अपराह्न

दौराई-गोड्डा साप्ताहिक एक्सप्रेस रेलगाड़ी का शुभारंभ

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए गाड़ी संख्या 19603/19604 दौराई (अजमेर)-गोड्डा साप्ताहिक एक्सप्रेस रेलगाड़ी के शुभारंभ का निर्णय लिया गया है। दिनांक 26.07.2025 को गाड़ी संख्या 09604 गोड्डा से उद्घाटन विशेष रेलगाड़ी के रूप में चलेगी एवं गाड़ी संख्या 19603/19604 दौराई (अजमेर)-गोड्डा साप्ताहिक एक्सप्रेस रेलगाड़ी की नियमित सेवा निम्नलिखित समय सारिणी के अनुसार होगी, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 09604 गोड्डा-दौराई साप्ताहिक उद्घाटन विशेष रेलगाड़ी

स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
गोड्डा	----	16:00 (शनिवार)
चुनार जं.	03:30	03:32
मिर्ज़ापुर	04:15	04:17
सूबेदारगंज	05:40	05:45
फतेहपुर	06.50	06.52
गोविन्दपुरी	08:20	08:25
इटावा जं.	10:30	10:32
टूण्डला जं.	11:53	11:55
अलीगढ़ जं.	13:45	13:47
दौराई	01:30 (सोमवार)	----

गाड़ी सं. 19603/19604 दौराई (अजमेर)-गोड्डा (साप्ताहिक) एक्सप्रेस की नियमित सेवा

गाड़ी संख्या - 19603 दौराई (अजमेर)-गोड्डा साप्ताहिक एक्स.			गाड़ी संख्या - 19604 गोड्डा-दौराई (अजमेर) साप्ताहिक एक्स.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	15:30 (रवि)	दौराई	17:20 (बुध)	----
01:00	01:02	अलीगढ़ जं.	04:00	04:02
02:03	02:05	टूण्डला जं.	02:08	02:10
03:05	03:07	इटावा जं.	00:50	00:52
04:50	04:55	गोविन्दपुरी	22:30	22:35
05:58	06:00	फतेहपुर	21:05	21:07
07:20	07:25	सूबेदारगंज	19:55	20:00
08:40	08:42	मिर्ज़ापुर	18:30	18:32
09:10	09:12	चुनार जं.	17:48	17:50
22:20 (सोम)	----	गोड्डा	----	05:00 (मंगल)

दौराई (अजमेर) से:- गाड़ी संख्या 19603, दिनांक 03.08.2025 से प्रत्येक रविवार।
गोड्डा से:- गाड़ी संख्या 19604, दिनांक 05.08.2025 से प्रत्येक मंगलवार।
गाड़ी संरचना:- सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर- 07, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच- 03, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 03, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02 एवं पेन्ट्रीकार- 01

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1311/25 (A)

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या : 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/568 दिनांक : 23.07.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/स्पे0/उ0म0रे/प्रयागराज,द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

निविदा सं0 : 230-क0वि0-कार्य ठेका-959-2025 | अनुमानित लागत : रू. 2,35,80,171.58

कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के झींझक से चिपियाना बुजुर्ग सेक्शन के खण्ड में पुराने एवं स्थिति के आधार पर कार्यरत सेक्शन इसुलेटर को सभी एसेसरीज के साथ बदलने का कार्य।

बिड सिक्योरिटी : 2,67,900.00 | कार्य अवधि : 12 महीना

निविदा सिस्टम : एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय : 14.08.2025 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : 14.08.2025 15:00 बजे

नोट : 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

1301/25 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सेहत का राज बस 4 ग्लास पानी एक साथ

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

● मधुमेह एक माह के लगभग। ● उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
● गैस दो सप्ताह के लगभग। ● टी.बी. छः माह के लगभग। ● कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने स ` उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भीतर इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है

विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्ट्स है.

जरा संभलकर मम्मी टू बी...

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

ऐसा न करें

● भारी वस्तुएं न उठाएं। ● कमर को झुकाएं नहीं।
● उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें। ● जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
● ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
● कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
● हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

● भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
● कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
● अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
● नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
● हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
● भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
● जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।

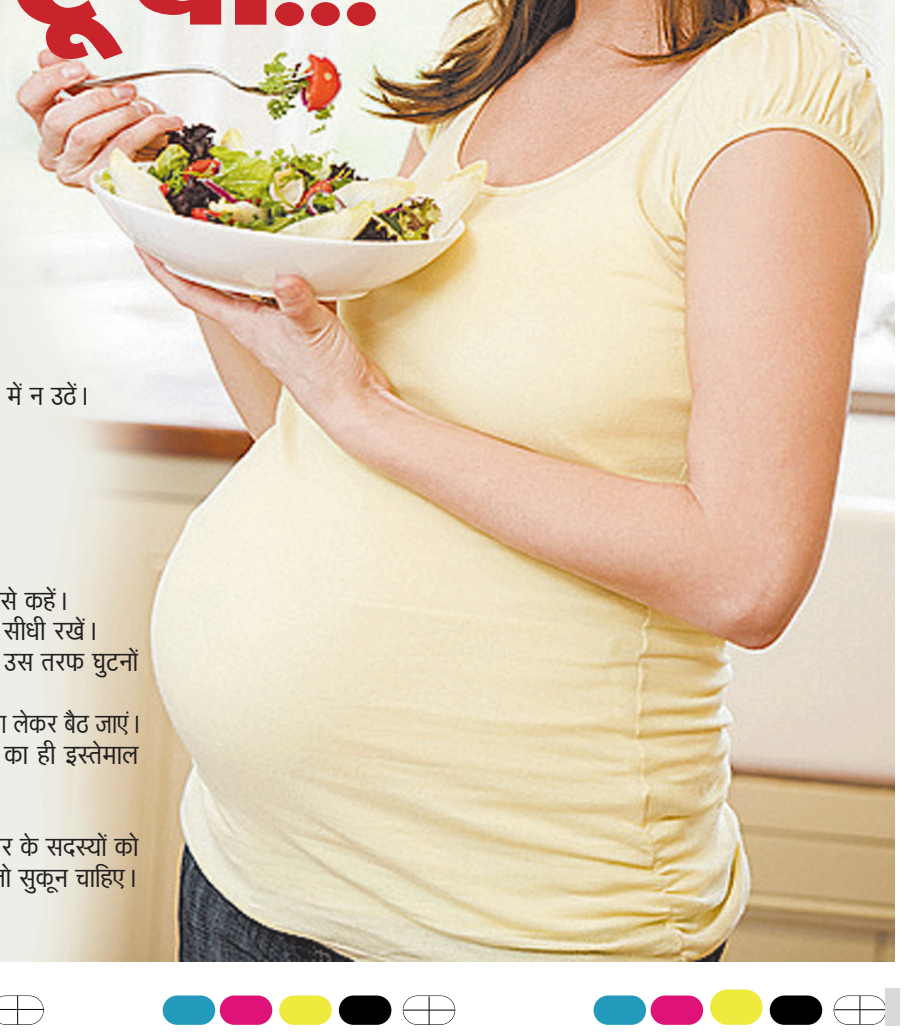

मालदीव 150 साल में बौद्ध से इस्लामी देश बना

2500 साल पुराना इतिहास; 1200 द्वीपों पर फैला; 25 साल में 80% डूबने का खतरा

एजेंसी

माले, भारत के दक्षिण में हिंद महासागर में स्थित मालदीव साउथ एशिया का सबसे छोटा देश है। 1200 द्वीपों में फैले इस देश का क्षेत्रफल 298 वर्ग किलोमीटर है, जो दिल्ली से भी पांच गुना कम है। पीएम मोदी आज दो दिन के दौरे पर मालदीव पहुंचे हैं। इस देश का इतिहास लगभग 2500 साल पुराना है। 5 लाख की आबादी वाले मालदीव में 98% लोग मुस्लिम हैं, लेकिन लगभग 900 साल पहले यह बौद्ध और उससे पहले हिंदू धर्म का प्रमुख केंद्र था। 12 सदी में इस देश के राजा ने इस्लाम धर्म अपना लिया था, जिसके बाद 150 सालों में यह पूरी तरह मुस्लिम देश बन गया। वैज्ञानिक रिपोर्ट्स के मुताबिक जलवायु परिवर्तन की वजह से 25 साल में मालदीव का 80% हिस्सा डूब सकता है। करीब ढाई हजार साल पहले मालदीव में पहली बार लोगों ने बसना शुरू किया। कुछ ऐतिहासिक कहानियां बताती हैं कि मालदीव में प्राचीन राजतंत्र की नींव भारत के उड़ीसा (प्राचीन काल में

कलिंग) के राजा ब्रह्मदित्य के पुत्र, बौद्ध राजा श्री सूरुदासरुण आदित्य ने रखी थी। ऐसा माना जाता है कि उन्हीं के शासनकाल में बौद्ध धर्म मालदीव पहुंचा। इतिहासकारों का मानना है कि बौद्ध धर्म 1000 सालों से ज्यादा समय तक मालदीव का प्रमुख धर्म रहा। इस दौरान मालदीव की संस्कृति, भाषा और प्राचीन धिवेही लिपि का विकास हुआ। मालदीव में इस्लाम का प्रवेश 9वीं और 10वीं शताब्दी में अरब व्यापारियों के जरिए से हुआ था। मालदीव के अंतिम बौद्ध राजा धोवेमी ने साल 1153 में इस्लाम धर्म स्वीकार कर लिया था। प्राचीन दस्तावेजों के मुताबिक, माघरेबी (उत्तरी अफ्रीकी) के इस्लामी विद्वान अबु अल-बरकात यूसुफ अल-बरबरी ने राजा को इस्लाम में कन्वर्ट किया था। धोवेमी को सुल्तान सुल्तान मुहम्मद इब्न अब्दुल्लाह का नाम दिया गया था। इसके साथ ही मालदीव में इस्लामिक शासन की शुरूआत हुई। मालदीव को बौद्ध देश से इस्लामी राष्ट्र बनने में करीब 150 साल का वक्त लगा था। 2008 में मालदीव के नए संविधान ने इस्लाम को आधिकारिक धर्म घोषित कर दिया गया और नागरिकता के लिए इस्लाम को अनिवार्य बना दिया गया। मालदीव की लोककथाओं के मुताबिक राजा राजा धोवेमी के वक्त मालदीव में एक समुद्री राक्षस रन्नामारी का आतंक था। इस राक्षस को शांत करने के लिए हर महीने एक कुंवारी कन्या की बलि दी जाती थी। राजा हर महीने एक लॉटरी के जरिए एक लड़की को चुनता था। इसके बाद उस लड़की को रन्नामारी के लिए एक मीनार में रखा जाता था, और अगले दिन वह मरी हुई मिलती थी। एक बार जब एक परिवार की इकलौती बेटी की बलि के लिए चुना गया, तो परिवार बहुत दुखी हुआ। अबु अल-बरकात उस परिवार के घर ठहरे हुए थे। उन्होंने उस लड़की की जगह खुद मीनार में रात बिताने की पेशकश की। उस रात उन्होंने मीनार में कुरान की आयतें पढ़ीं। जब रन्नामारी आया, तो कुरान की आयतें सुनकर वह भाग गया। सुबह अबु अल-बरकात जीवित और सुरक्षित मिले।

राजा धोवेमी ने अबु अल-बरकात से पूछा कि क्या वे रन्नामारी को हमेशा के लिए भगा सकते हैं। राजा ने वादा किया कि अगर राक्षस हमेशा के लिए भाग गया, तो वे पूरे देश को इस्लाम में कन्वर्ट कर देंगे। इसके बाद रन्नामारी फिर कभी नहीं लौटा। अपने वादे के मुताबिक, राजा धोवेमी ने इस्लाम स्वीकार कर लिया और देश में इस्लाम का प्रचार प्रसार करने लगे।

चीन के राज्य में 24 घंटे में सालभर जितनी बारिश

सड़क-घर डूबे, रेड अलर्ट जारी; 19 हजार लोगों को रेस्क्यू किया

एजेंसी

बीजिंग, नॉर्थ चीन के बाओडिंग शहर में शुक्रवार सुबह तक 24 घंटे में 448.7 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो एक साल की औसत बारिश (500 मिमी) के बराबर है। इस इंडस्ट्रियल शहर में भारी बारिश से बाढ़ आ गई। जिसके कारण सड़कें डूब गई, कई रास्ते और पुल टूट गए, और कुछ गांवों में बिजली गुल हो गई। बाओडिंग में शुक्रवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया। बाओडिंग हेबेई प्रांत का हिस्सा है और राजधानी बीजिंग के पास स्थित है। चाइना मेट्रोलॉजिकल एडमिनिस्ट्रेशन (सीएमए) के

मुताबिक, इस आपदा की वजह से 6 हजार घरों से 19 हजार से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। हेबेई और शानक्सी प्रांत में बाढ़ से निपटने के लिए सरकार ने राहत सामग्री भेजी है, जिनमें 23 हजार इमरजेंसी किट और कंबल शामिल हैं। बाओडिंग में भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी है, और हेबेई में इमरजेंसी तैयारियों बढ़ा दी गई हैं। बाओडिंग से 160 किमी दूर राजधानी बीजिंग में भी बारिश का खतरा बढ़ गया है। शुक्रवार दोपहर से शनिवार सुबह तक छह घंटे में 50 मिमी से ज्यादा बारिश की आशंका है, जिससे अचानक बाढ़, भूस्खलन और अन्य दुर्घटनाएं हो सकती हैं। उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया में भारी बारिश की वजह से कई पैसेंजर ट्रेनें शुक्रवार से मंगलवार तक रद्द कर दी गई हैं। बाढ़ की वजह से लाखों लोगों के विस्थापन के संकट का सामना करना पड़ रहा है। बाओडिंग के झुओझोउ इलाके को 2023 में भी भयानक बाढ़ से जूझना पड़ा था, इस बार फिर से 190 मिमी से ज्यादा बारिश की वजह से आफत में फंस गया है। कई पुल और सड़कें बंद हो गईं। सीएमए ने इस बारिश की तुलना 2023 के एक शक्तिशाली तूफान से की, जिसकी वजह से बीजिंग में 140 साल में सबसे बारिश हुई थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तरी चीन में हाल के सालों में रिकॉर्ड तोड़ बारिश जलवायु परिवर्तन से जुड़ी हो सकती है। हेबेई प्रांत में पिछले साल 640.3 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 26.6% ज्यादा थी। 2020 से हर साल एवरेज से ज्यादा बारिश हो रही है। पिछले साल बाओडिंग और आसपास के शहरों में सामान्य से 40% ज्यादा बारिश हुई थी।

किस-कैम विवाद में फंसी एस्ट्रोनॉमर की एचआर हेड का इस्तीफा

कोल्ड प्ले कॉन्सर्ट में सीईओ एंडी बायरन के साथ दिखी थी क्रिस्टिन कैबोट

एजेंसी

बोस्टन, कोल्डप्ले कॉन्सर्ट में सीईओ के साथ रोमांस करती दिखाई देने वाली अमेरिका की टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर की चीफ पीपल ऑफिसर (एचआर हेड) क्रिस्टिन कैबोट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले कंपनी ने क्रिस्टिन कैबोट को छुट्टी पर भेज दिया था। वीडियो वायरल होने के बाद कंपनी के सीईओ एंडी बायरन पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं। एंडी बायरन की जगह कंपनी के को-फाउंडर और चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर पीट डेजॉय को अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया है। टेक कंपनी ने इस मामले में पूर्व सीईओ और एचआर (कैबोट) के बीच अफेयर की जांच भी शुरू कर दी है। कंपनी ने 19 जुलाई को अपने एक्स हैंडल पर यह अपडेट शेयर किया है। एस्ट्रोनॉमर क्या है और यह क्या करती है? एस्ट्रोनॉमर एक टेक्नोलॉजी कंपनी है। यह अपाचे एयरफ्लो पर बेस्ड एक डेटा ऑर्केस्ट्रेशन प्लेटफॉर्म है। कंपनी संस्थानों को डेटा प्रोसेसिंग, वर्कफ्लो मैनेजमेंट और डेटा एनालिटिक्स का काम करने में मदद करती है। डेटा प्रोसेसिंग और एनालिटिक्स- यह कंपनी डेटा पाइपलाइन को डिजाइन, मैनेज और स्केल करने में मदद करती है, जिससे डेटा प्रोसेसिंग तेज और सटीक होती है। यह डेटा की मदद से फैसले लेने में मदद करती है। क्या है पूरा मामला? 18 जुलाई को मशहूर रॉक बैंड कोल्डप्ले के बोस्टन में आयोजित 'म्यूजिक ऑफ द स्फियर्स वर्ल्ड टूर' कॉन्सर्ट में टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर के सीईओ एंडी बायरन और उनकी कंपनी की चीफ पीपल ऑफिसर क्रिस्टिन कैबोट का वीडियो वायरल हो गया, जिसमें दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब नजर आए। कॉन्सर्ट में क्या हुआ था? बैंड के फ्रंटमैन क्रिस मार्टिन ने अपनी परफॉर्मेंस के बीच दर्शकों के बीच लोकप्रिय किस कैम सेगमेंट शुरू किया, जिसमें कैमरा भीड़ में मौजूद जोड़ों पर फोकस करता है। जैसे ही कैमरा एंडी बायरन और क्रिस्टिन कैबोट पर रुका, दोनों को एक-दूसरे की बाहों में लिपटे हुए देखा गया। स्क्रीन पर उनकी तस्वीर आने के बाद दोनों असहज हो गए और चेहरा छिपाने की कोशिश करने लगे। क्रिस मार्टिन ने माहौल हल्का करने के लिए मजाक में कहा, 'अरे, इन दोनों को देखो! या तो इनका अफेयर है या ये बहुत शमीलें हैं।' लोगों ने कहा- यह पत्नी के साथ धोखा कॉन्सर्ट के तुरंत बाद इस घटना का वीडियो टिकटॉक, रेडिट और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से फैल गया। कई यूजर्स ने इसे एक गंभीर 'चीटिंग स्कैंडल' कहा, क्योंकि एंडी बायरन की शादी मेगन केरिगन बायरन से हुई है और उनके दो बच्चे हैं। कुछ यूजर्स ने मेगन के प्रति सहानुभूति जताई, जबकि अन्य ने बायरन और कैबोट की इस हरकत को गैर-जिम्मेदार और मूर्खतापूर्ण बताया। एंडी बायरन और क्रिस्टिन कैबोट कौन हैं? एंडी बायरन जुलाई 2023 से सिनसिनाटी अमेरिका स्थित टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर के सीईओ हैं।

इटली के ब्रेशिया में एयरक्राफ्ट हाईवे पर गिरा

पति-पत्नी की मौत, दो घायल; उड़ान के तुरंत बाद कंट्रोल से बाहर हुआ

एजेंसी

रोम, इटली के ब्रेशिया के पास बुधवार (23 जुलाई) को अ21 कॉर्डमोल-ओस्पिटाले हाईवे पर एक अल्ट्रालाइट एयरक्राफ्ट क्रैश होकर हाईवे पर गिर गया। इस हादसे में विमान में बैठे 75 साल के वकील सर्जियो रवाग्लिया और उनकी 55 साल की पत्नी अन्ना मारिया डी

स्टेफानो की मौत हो गई। जबकि 2 लोग घायल हो गए। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन स्पीड कम होने की वजह से विमान का कंट्रोल खो दिया। इटली की नेशनल एजेंसी फॉर फ्लाइट सेफ्टी ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। इसका एक वीडियो सोशल माडिया पर वायरल हो रहा है स्थानीय निवासी एनजो ब्रेगोली ने बताया- एयरक्राफ्ट बहुत नीचे उड़ रहा था और अचानक घूमता हुआ सड़क पर गिर गया। इसके बाद जोरदार धमाका हुआ और आग फैल गई। एयरक्राफ्ट की टक्कर से दो कारों में आग लग गई। जिसमें एक ड्राइवर को गंभीर चोटें आईं और उसे अस्पताल ले जाया गया, जबकि दूसरे का मौके पर इलाज किया गया। फायरब्रिगेड, एम्बुलेंस और स्थानीय पुलिस शामिल तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया और हाईवे को दोनों तरफ से बंद कर दिया गया।

एसआईआर के खिलाफ संसद के मकर द्वार पर विपक्ष का प्रदर्शन

मल्लिकार्जुन खड़गे भी हुए शामिल

एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शुक्रवार को बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) के सांसदों के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। संसद के मकर द्वार पर यह विरोध प्रदर्शन, जो लगातार पाँचवें दिन भी जारी रहा, आयोजित किया गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी नेता प्रियंका गांधी सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी इस विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। सांसदों ने दिन के सत्र की शुरूआत से पहले संसद परिसर स्थित गांधी प्रतिमा से मार्च निकाला। सांसदों को कई पोस्टर और एक बड़ा बैनर लिए देखा गया, जिस पर लिखा था, एसआईआर-लोकतंत्र पर हमला। संसद परिसर में इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए और मोदी सरकार मुर्दाबाद और लोकतंत्र पर हमला बंद करो के नारे लगाए। सांसदों ने बिहार एसआईआर को अस्वीकार करने के प्रतीकात्मक संकेत में पोस्टर भी फाड़ दिए। विरोध प्रदर्शन से पहले पत्रकारों से बात करते हुए, खड़गे ने कहा, ₹हम केवल उसी (विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान) के खिलाफ लड़

संसद के मकर द्वार पर यह विरोध प्रदर्शन, जो लगातार पाँचवें दिन भी जारी रहा, आयोजित किया गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी नेता प्रियंका गांधी सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी इस विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। सांसदों ने दिन के सत्र की शुरूआत से पहले संसद परिसर स्थित गांधी प्रतिमा से मार्च निकाला।

रहे हैं। विरोध प्रदर्शन में शामिल वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी ने राजनीतिक दलों को अद्यतन मतदाता सूची उपलब्ध नहीं कराने के लिए चुनाव आयोग (ईसी) की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उन्हें आरोपों का जवाब देना चाहिए। उन्हें हमें मतदाता सूची उपलब्ध करानी चाहिए, जिसकी हम माँग कर रहे हैं। पारदर्शिता होनी चाहिए। यह लोकतंत्र है। सभी राजनीतिक दलों को उस जानकारी तक पहुँच होनी चाहिए। यह जानकारी क्यों नहीं दी जा रही है? इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को चुनाव आयोग को चेतावनी दी कि विपक्ष उन्हें चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान से नहीं बचने देगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सदन की कार्यवाही स्थगित होने के तुरंत बाद संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा कि मैं चुनाव आयोग को संदेश देना चाहता हूँ: अगर आपको लगता है

संविधान की प्रस्तावना से सोशलिज्म और सेक्युलरिज्म शब्द हटाने का कोई इरादा नहीं

सरकार ने सदन में दिया जवाब

संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्द हटाने की माँगों के बीच केंद्र सरकार ने कोई योजना न होने की बात कही है। सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही स्पष्ट किया है कि पंथनिरपेक्ष संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न हिस्सा है, वहीं समाजवादी शब्द कल्याणकारी राज्य को दशार्ता है।

एजेंसी

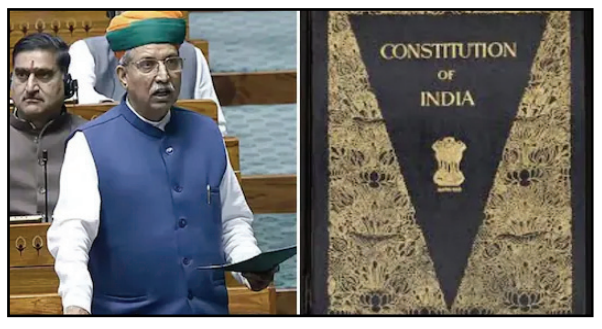

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्दों को हटाने की उसकी कोई योजना नहीं है। आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में इन दो शब्दों को शामिल किए जाने की समीक्षा की हालिया माँगों पर ध्यान दिलाते हुए, केंद्र ने कहा कि सरकार द्वारा कोई औपचारिक निर्णय या प्रस्ताव की घोषणा नहीं की गई है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में बताया, सरकार का आधिकारिक रुख यह है कि संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्दों पर पुनर्विचार करने या उन्हें हटाने की कोई योजना या इरादा नहीं है। मेघवाल ने आगे कहा कि प्रस्तावना में संशोधन के संबंध में किसी भी चर्चा के लिए गहन विचार-विमर्श और व्यापक सहमति की आवश्यकता होगी, लेकिन अभी तक, सरकार ने इन प्रावधानों को बदलने के लिए कोई औपचारिक प्रक्रिया शुरू नहीं की है। कुछ सामाजिक संगठनों द्वारा छेड़े गए विमर्श पर टिप्पणी करते हुए, मेघवाल ने कहा कि कुछ समूह अपनी राय व्यक्त कर रहे होंगे या विशिष्ट शब्दों के पुनर्मूल्यांकन की मांग कर रहे होंगे। उन्होंने कहा, ऐसी गतिविधियाँ मुद्दे पर सार्वजनिक विमर्श या माहौल बना सकती हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं कि सरकार के आधिकारिक रुख या कार्यों को प्रतिबिंबित करे।मेघवाल ने बताया कि नवंबर 2024 में, उच्चतम न्यायालय ने 1976 के संशोधन (42वां संविधान संशोधन) को चुनौती देने वाली याचिकाओं को यह उल्लेख करते हुए खारिज कर दिया था कि संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति प्रस्तावना तक विस्तारित है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि भारतीय संदर्भ में समाजवादी एक कल्याणकारी राज्य (शासन) को व्यक्त करता है और निजी क्षेत्र के विकास में बाधा नहीं डालता है वहीं पंथनिरपेक्ष संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न हिस्सा है।आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने पिछले महीने प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्दों को बनाए रखने पर राष्ट्रीय बहस का आान करके राजनीतिक हंगामा खड़ा कर दिया था। फिर उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने इस पर जोर देते हुए कहा कि प्रस्तावना पवित्र है और बदली नहीं जा सकती। उन्होंने एक कदम आगे बढ़कर उन शब्दों को जोड़ने को सनातन की भावना का अपमान बताया। होसबोले की टिप्पणी पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि आरएसएस-भाजपा को संविधान नहीं चाहिए

मणिपुर में छह महीने के लिए बढ़ा राष्ट्रपति शासन, संसद में प्रस्ताव को मंजूरी

मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था, पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के तुरंत बाद, जिसका मुख्य कारण मैतेई समुदाय से संबंधित साथी भाजपा विधायकों द्वारा बढ़ते राजनीतिक दबाव था, जो उनके नेतृत्व का विरोध कर रहे थे।

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा में पेश किए गए एक प्रस्ताव के बाद, मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि छह महीने के लिए बढ़ा दी गई है। यह विस्तार 13 अगस्त, 2025 से प्रभावी होगा। आधिकारिक सूचना के अनुसार, यह सदन राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 356 के अंतर्गत मणिपुर के संबंध में 13 फरवरी, 2025 को जारी की गई उद्घोषणा को 13 अगस्त, 2025 से छह महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए लागू रखने का अनुमोदन करता है।मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था, पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के तुरंत बाद, जिसका मुख्य कारण मैतेई समुदाय से संबंधित साथी भाजपा विधायकों द्वारा बढ़ते राजनीतिक दबाव था, जो उनके नेतृत्व का विरोध कर रहे थे। राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाने का यह कदम सत्तारूढ़ एनडीए के मीतेई और नागा विधायकों द्वारा राज्य में निर्वाचित सरकार की बहाली के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों के बीच उठाया गया है। संविधान के अनुच्छेद 356(3) के तहत, राष्ट्रपति शासन राज्यपाल के कार्यालय के माध्यम से लागू किया जाता है, जो आमतौर पर छह महीने तक चलता है

दिल्ली की सीसीटीबी परियोजना पर सवाल: 32,000 कैमरे खराब

15,000 का अता-पता नहीं, ऑडिट कराएगी सरकार

70 विधानसभा क्षेत्रों में लगाए गए 2.64 लाख सीसीटीवी कैमरों में से 32,000 से ज्यादा कैमरे काम नहीं कर रहे हैं, जबकि 15,000 से ज्यादा कैमरे अभी भी लगे नहीं हैं। कई इलाकों में, लगाए गए कैमरों की संख्या स्वीकृत संख्या से काफी कम है।

एजेंसी

दिल्ली में पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी सीसीटीवी परियोजना, गंभीर खामियों का पता चलने के बाद जांच के दायरे में आ गई है। 70 विधानसभा क्षेत्रों में लगाए गए 2.64 लाख सीसीटीवी कैमरों में से 32,000 से ज्यादा कैमरे काम नहीं कर रहे हैं, जबकि 15,000 से ज्यादा कैमरे अभी भी लगे नहीं हैं। कई इलाकों में, लगाए गए कैमरों की संख्या स्वीकृत संख्या से काफी कम है। इसके जवाब में, मौजूदा सरकार ने कमियों का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए पूरी परियोजना का व्यापक

तकनीकी ऑडिट कराने की घोषणा की है। इस बीच, 19 मार्च को, दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने आप नेता और पूर्व विधायक सत्येंद्र जैन के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी के लिए 571 करोड़ रुपये की सीसीटीवी परियोजना के संबंध में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया। संयुक्त पुलिस आयुक्त (सीपी) और एसीबी प्रमुख मधुर वर्मा के अनुसार, 7 करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर कथित तौर पर 16 करोड़ रुपये के क्षतिपूर्ति मुआवजे को मनमाने ढंग से माफ कर दिया गया।पूर्व लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया मैंने बिलाल अहमद फारुकी पुत्र नियाज अहमद से बदल कर मो. बेलाल अहमद पुत्र नियाज अहमद फारुकी MOHD. BELAL AHMAD S/O NIYAZAHMAD FAROOQUI निवासी ग्राम बिसहिया, कुंडा, प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) पिनकोड- 230201 रख लिया है। अब मुझे मो. बेलाल अहमद के नाम से जाना व पहचाना जाए।

मो. बेलाल अहमद पुत्र नियाज अहमद फारुकी निवासी ग्राम बिसहिया, कुंडा, प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) पिनकोड- 230201